डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 101 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 20 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

राजस्थान विधानसभा में अवैध खनन पर हंगामा, कांग्रेस का वॉकआउट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में अवैध खनन का मुद्दा बुधवार को राजस्थान विधानसभा में जोर-शोर से उठा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने हाईकोर्ट की हालिया टिप्पणी का हवाला देते हुए सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सरकार अवैध खनन पर आंखें मूंदे बैठी है। सरकार की ओर से जवाब नहीं आने पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर दिया।

"कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं" – संसदीय कार्य मंत्री का पलटवार

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विपक्ष के हंगामे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि "कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। वे अपनी आंतरिक कलह से जूझ रहे हैं और सदन को बाधित कर रहे हैं।"

टीकाराम जूली ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि –

"राज्य के एक कैबिनेट मंत्री खुद कहते हैं कि रोज करोड़ों की बजरी चोरी हो रही है।"

"वहीं, एक अन्य मंत्री पुलिस अफसरों से कह रहे हैं कि अवैध खनन करने वालों को मत पकड़ो।"

"राजस्थान हाईकोर्ट को CBI को यह कहना पड़ रहा है कि राज्य सरकार जांच में सहयोग नहीं कर रही है।"

"अगर पुलिस सहयोग नहीं कर रही तो CRPF की मदद लीजिए – यह खुद हाईकोर्ट को कहना पड़ रहा है।"

उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री के क्षेत्रों में भी अवैध खनन हो रहा है। भरतपुर और डीग में 413 खनन पट्टे हैं, जबकि दो वर्षों में 312 अवैध खनन के मामले दर्ज हुए हैं।

भाकर के अनुपस्थित रहने पर सियासी तंज

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जब कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर का नाम पुकारा तो वे सदन में मौजूद नहीं थे। इस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने तंज कसा कि –

"कहीं ठेकेदारों के खिलाफ सवाल उठाने के कारण उनका अपहरण न हो गया हो, या कोई लोभ-लालच दे दिया गया हो?"

इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि "कई बार विधायक देरी से पहुंचते हैं, लेकिन इस तरह के आरोप लगाना ठीक नहीं है।"

सरकार ने 11 साल बाद रखे रिपोर्ट, कांग्रेस पर आरोप

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी, जोधपुर के 11 वर्षों के सालाना प्रगतिवेदन विधानसभा में पेश किए।

इस पर अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नाराजगी जताई कि "रिपोर्ट हर साल पेश होनी चाहिए थी, आपने अब एक साथ क्यों रखीं?"

मंत्री बेढम ने जवाब दिया –

"कांग्रेस सरकार ने इन्हें प्रस्तुत ही नहीं किया था। हमारी सरकार आई, तो हमने यह काम पूरा कर दिया।"

मंत्री खर्रा और निर्दलीय विधायक में तीखी बहस

प्रश्नकाल के दौरान नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा और निर्दलीय विधायक जीवाराम चौधरी के बीच तीखी बहस हुई। चौधरी ने कांग्रेस सरकार के दौरान सांचौर में महिला एवं बाल विकास विभाग की जमीन को बेचे जाने और पट्टे जारी करने का मुद्दा उठाया।

जब मंत्री ने जवाब पढ़ना शुरू किया तो विधायक ने टोकते हुए कहा –

"सीधा बता दीजिए कि क्या कार्रवाई करेंगे?"

इस पर मंत्री ने जवाब दिया कि "पट्टों की जांच करवाई जाएगी।"

जनजातीय विकास मंत्री के जवाब से असंतुष्ट रहे कांग्रेस विधायक

जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि "राज्य सरकार राजस संघ के माध्यम से जनजातीय कल्याण की योजनाओं का संचालन कर रही है।"

इस पर कांग्रेस विधायक दयाराम परमार ने विरोध जताते हुए सवाल उठाया – "जब सरकार के अपने विभाग हैं, तो संघ के माध्यम से योजनाएं क्यों चलाई जा रही हैं?"

मंत्री खराड़ी ने कहा कि "राजस संघ को सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ चला रही है और इसके उद्देश्यों को पूरा करने में लगी हुई है।"

बीकानेर में कार पर पलटा ट्रक, 6 लोगों की मौत

बीकानेर (रॉयल पत्रिका) | बीकानेर में एक तेज रफ्तार ट्रक पास चल रही कार पर पलट गया। कार में सवार 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 4 भाई हैं। सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसे के बाद करीब आधे घंटे तक घायल ट्रक के नीचे ही दबे रहे। एक्सीडेंट देशनोक में बुधवार देर रात करीब 11 बजे हुआ।

कार पिचकी, रेस्क्यू में हुई देरी

जानकारी के अनुसार करणी मंदिर के पास रेलवे क्रासिंग पर बने पुल पर ये एक्सीडेंट हुआ। एक ट्रक नोखा से बीकानेर की ओर आ रहा था। तभी ये असंतुलित होकर नोखा की ओर जा रही कार पर पलट गया।

कार पूरी तरह से सड़क पर पिचक गई। इस कार में 6 लोग थे। हादसे के आधे घंटे तक सभी घायल ट्रक के नीचे दबे रहे। जेसीबी की मदद से ट्रक को उठाकर सभी को बाहर निकाला गया।

इनमें से 4 घायलों को देशनोक सीएचसी में और 2 को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में ले जाया गया था। जहां डॉक्टर्स ने इन्हें मृत घोषित कर दिया।

शादी समारोह में शामिल होने आए थे

कार सवार देशनोक में एक समारोह में शामिल होने आए थे। एक्सीडेंट में नोखा के रहने वाले अशोक (45) पुत्र जगन्नाथ नाई, मूलचंद्र (45), पप्पूराम (55) पुत्र गंगाराम नाई व श्याम सुंदर (60) व द्वारका प्रसाद (45) पुत्र चेतनराम, करणीराम (50) पुत्र मोहनराम शामिल है। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। मूलचंद व पप्पूराम सगे भाई थे। वहीं, श्याम सुंदर व द्वारका प्रसाद भी सगे भाई थे। एक्सीडेंट के कारण ओवरब्रिज पर देर रात तक जाम लगा रहा।

रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगों के लिए की बैठने की विशेष सुविधा

रेल मंत्री वैष्णव ने दी कैबिनेट फैसलों की जानकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि भारतीय रेलवे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों को लोअर बर्थ (निचली बर्थ) पर यात्रा की विशेष सुविधा दे रहा है। रेलवे ने इन यात्रियों की सुविधा के लिए कोटा तय किया है, जिससे उन्हें यात्रा में अधिक आराम मिले।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं और गर्भवती महिलाओं को टिकट बुकिंग के समय, उपलब्धता के अनुसार, स्वचालित रूप से लोअर बर्थ दी जाती है, भले ही उन्होंने बुकिंग के दौरान इसका विकल्प न चुना हो।रेलवे ने सभी ट्रेनों में विशेष कोटा तय किया है।

गोकुल मिशन के कार्यान्वयन को दी मंजूरी

मंत्रिमंडल ने पशुधन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) को मंजूरी दे दी है। संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को 15वें वित्त आयोग (2021-22 से 2025-26) के दौरान 3400 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ मंजूरी दी गई है।

डेयरी विकास के लिएराष्ट्रीय कार्यक्रम स्वीकृत

कैबिनेट ने संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को मंजूरी दे दी। इस कार्यक्रम के लिए केंद्र सरकार ने 1,000 करोड़ का अतिरिक्त बजट स्वीकृत किया है, जिससे इसकी कुल लागत बढ़कर 2,790 करोड़ हो गई है।

महाराष्ट्र में 6 लेन हाईस्पीड हाईवे बनेगा

कैबिनेट समिति ने महाराष्ट्र में जेएनपीए पोर्ट (पागोटे) से चौक तक एक छह-लेन हाई-स्पीड ग्रीनफील्ड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। 29.219 किमी लंबी सड़क को बिल्ड,ऑपरेट और ट्रांसफर मॉडल के तहत बनाया जाएगा। इस परियोजना पर कुल 4,500.62 करोड़ खर्च होंगे।

असम में नामरूप-4 उर्वरक संयंत्र की स्थापना होगी

मंत्रिमंडल ने ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड , नामरूप असम के मौजूदा परिसर में 12.7 लाख मीट्रिक टन वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता का एक नया ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी अनुमानित कुल परियोजना लागत 10,601.40 करोड़ रुपये है तथा ऋण इक्विटी अनुपात 70:30 है।

सृजित श्रम दिवस 3029 करोड़ रहे

पिछले एक दशक में मनरेगा का हुआ प्रभावी क्रियान्वयन: चौहान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के संबंध में उठाए गए विपक्षी सदस्यों के प्रश्नों के जवाब देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मनरेगा का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ है एवं बजट आवंटन में भी वृद्धि हुई है। 2013-14 में बजट बढ़कर 33,000 करोड़ हो गया और पिछले 10 वर्षों में इसमें लगातार वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष का 86,000 करोड़ रु. का आवंटन बजट सबसे अधिक बजटीय आवंटन है। 10 वर्षों में सृजित कुल व्यक्ति दिवस 3029 करोड़ रहे।

खबर संक्षेप

चहल-धनश्री के तलाक पर आज आएगा फैसला

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी अलग रह रही पत्नी धनश्री वर्मा को तलाक के समय 6महीने की कूलिंग पीरियड से छूट देने की याचिका को मंजूरी दे दी है। हाईकोर्ट ने पारिवारिक अदालत को चहल-धनश्री की तलाक याचिका पर 20 मार्च तक फैसला करने का निर्देश दिया है। दोनों ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। बताया जा रहा है कि कुछ महीनों से अलग रह रहे हैं। इसके पहले पत्नी ने चहल की एक बड़ी धनराशि की भी मांग की थी। अब कोर्ट सोमवार को फैसला देगा।

विज्ञान धारा योजना से 57,869 ने लिया लाभ

नई दिल्ली। देश के वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी विकास क्षेत्र को बढ़ाने के लिए केंद्र ने विज्ञान धारा योजना के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। 'विज्ञान धारा' के कार्यान्वयन के लिए परिव्यय 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 10,579.84 करोड़ रुपए है। मार्च तक 57,869 लाभार्थियों ने लाभ उठाया है।

नागपुर हिंसा मामले में दर्ज एफआईआर में बड़ा खुलासा, सीएम बोले- पाताल से खोज निकालेंगे

सोमवार को ऐसा रहा मंजर, सिहर गया शहर

दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मियों के कपड़े फाड़ने की कोशिश की, पेट्रोल बम फेंके, पथराव व आगजनी की

औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विरोध प्रदर्शन में मचा भारी उत्पात

एजेंसी ▶▶ नागपुर

यहां हिंसा के दौरान दंगाइयों की भीड़ ने कुछ महिला पुलिसकर्मियों के कपड़े फाड़ने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंके गए। हिंसा में दर्ज 5 एफआईआर में यह खुलासा हुआ है। नागपुर में सोमवार को उस वक्त हिंसा भड़क गई थी, जब विश्व हिंदू परिषद ने मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अफवाह फैली कि प्रदर्शन के दौरान एक धार्मिक ग्रंथ को जलाया गया, जिससे हिंसा भड़क गई।

हिंसा सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे नागपुर के चिटनिस पार्क के महाल इलाके में शुरू हुई। पुलिस पर दंगाइयों की भीड़ ने पथराव कर दिया,पेट्रोल बम भी फेंके गए। दर्जनों वाहनों में आग दी। गणेशपेठ पुलिस स्टेशन में एफआईआर में कहा गया कुछ लोगों ने भलदारपुरा चौक पर पुलिसकर्मियों पर हमला किया। अंधेरे का फायदा उठाकर भीड़ ने एक महिला पुलिसकर्मी को छून,वर्दी फाड़ने की कोशिश की। भीड़ ने अन्य महिला पुलिसकर्मियों को गालियां दीं और आपत्तिजनक टिप्पणियां की। दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मियों को गलत इशारे भी किए। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें हम पाताल से खोज निकालेंगे।

संवेदनशील इलाकों में 2000 सुरक्षाकर्मी तैनात, कर्फ्यू

हिंसा के बाद हालात तनावपूर्ण लेकिन शांत बने हुए हैं। साथ ही शहर के संवेदनशील इलाकों में कर्फ्यू जारी है। संवेदनशील इलाकों में 2,000 से अधिक सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसी तरह, त्वरित प्रतिक्रिया दल और दंगा नियंत्रण पुलिस को एक डीसीपी-रैंक अधिकारी के नेतृत्व में गश्त पर तैनात किया गया है। वर्तमान में कर्फ्यू कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पांचपावली, शांत नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामबाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थानों के तहत आने वाले इलाकों में लागू है।

कश्मीर पैटर्न पर की पत्थरबाजी

महाराष्ट्र गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार दावा किया गया है कि नागपुर हिंसा के दौरान पत्थरबाजी कश्मीर पैटर्न पर हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। नागपुर के पुलिस कमिश्नर रविंद्र कुमार सिंघल ने बताया कि घटना के बाद संवेदनशील इलाकों में 2000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा क्यूआरटी और दंगा नियंत्रण पुलिस को भी तैनात किया गया है।

पुलिस को सफलता — मास्टरमाइंड फहीम को धर-दबोचा

नागपुर हिंसा मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले का मास्टरमाइंड फहीम खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्व हिंदू परिषद के आंदोलन के बाद मुस्लिम संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया था। फहीम शमीम शेख सोमवार दोपहर को उस विरोध प्रदर्शन में शामिल था। फहीम माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी का नागपुर जिला अध्यक्ष है। सोमवार दोपहर को विरोध प्रदर्शन करने के लिए फहीम के खिलाफ आरोप दर्ज किए गए। फहीम ने 50 से 60 लोगों की भीड़ इकट्ठा कर थाने में बयान दिया था। फहीम का नाम उन 51 लोगों में शामिल हैं जिनके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

गडकरी के खिलाफ लड़ा था चुनाव

फहीम 2024 का विधानसभा चुनाव नागपुर से लड़ा चुका है। इस चुनाव में उसकी जमानत जब्त हो गई थी। फहीम ने 2024 लोकसभा चुनाव भी नागपुर से लड़ा था। वह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरा था।

फहीम ने किया था भीड़ का नेतृत्व

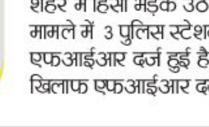

नागपुर में सोमवार को बजरंग दल के प्रदर्शन के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग फहीम खान के नेतृत्व में गणेश पेट पुलिस स्टेशन के बाहर इकट्ठा हुए थे। उसके बाद शहर में हिंसा भड़क उठी थी। नागपुर हिंसा के मामले में 3 पुलिस स्टेशन में अभी तक 6 एफआईआर दर्ज हुई है। कुल 1250 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है जिसमें से 100 से 200

हिंसा मामले में 60 लोग गिरफ्तार

27 आरोपी 21 मार्च तक पीसीआर में रिमांड पर

महाराष्ट्र में नागपुर में बीते सोमवार को औरंगजेब की कब्र विवाद को लेकर हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए थे। पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ तेज कर दी है। अबतक 60 दंगाइयों को गिरफ्तार किया गया है। 3 पुलिस स्टेशन में अभी तक 6 एफआईआर दर्ज हुई है। वहीं, सीसीटीवी के आधार पर 100 से 200 लोगों को चिन्हित किया गया है। नागपुर में दंगा करने वाले 27 लोगों को कल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपियों को 21 मार्च तक पीसीआर में रिमांड पर भेज दिया है।

कोर्ट में रात 2.30 बजे तक हुई सुनवाई

आरोपियों की तरफ से सीनियर एडवोकेट आसिफ कुरैशी ने जिरह की, देर रात 2.30 बजे तक यह

जिरह चलती रही। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पुलिस पर हमला किया, जिन लोगों ने महिला पुलिसकर्मी के साथ छेड़खानी की और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया उन्हें सजा होनी चाहिए लेकिन बेगुनाहों को सजा नहीं होनी चाहिए। जिन लोगों ने डीसीपी अर्चित चांडक,डीसीपी निकेतन कदम पर हमला किया, सरकारी संपत्ति जलाई और महिला पुलिसकर्मी के साथ गलत व्यवहार किया, उन सभी लोगों को सजा होनी चाहिए।

विहिप-बजरंग दल के 8 लोग अरेस्ट

नागपुर में प्रदर्शन के दौरान धार्मिक भावनाएं आहत करने में वीएचपी और बजरंग दल के 8 कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं। इन्होंने खुद ही पुलिस के सामने सरेंडर किया था, जिसके बाद अरेस्ट कर अदालत में पेश किया गया। इन लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी और तलाश की जा रही थी।इन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने दूसरे मजहब से जुड़े लोगों की भावनाओं को आहत किया है।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

कब खत्म होगी रूस-यूक्रेन की जंग?

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच मंगलवार को हुई टेलिफोन बातचीत उस कदर कामयाब भले न हुई हो जैसी उम्मीद की जा रही थी, फिर भी सीमित युद्धविराम पर सहमति शांति की दिशा में एक कदम जरूर है।

पुतिन का कड़ा रुख

पिछले हफ्ते एक महीने के अस्थायी युद्धविराम पर यूक्रेन की सहमति मिलने के बाद कई हलकों में माना जा रहा था कि शांति अब ज्यादा दूर नहीं है। इस लिहाज से रूसी राष्ट्रपति पुतिन का यह कड़ा रुख पहली नजर में बहुतों को अप्रत्याशित लग सकता है। लेकिन यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों का जितना कुछ दांव पर लगा है, उसे देखते हुए उनका फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाना अस्वाभाविक नहीं है।

घोषणाएं और शर्तें

सीमित युद्धविराम पर सहमति के बाद शांति की बढ़ी हुई उम्मीदों के बीच दोनों ही पक्ष अपना रुख और कड़ा करते हुए दिख रहे हैं। जहां रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने स्थायी युद्धविराम के लिए यूक्रेन को मिलने वाली हर तरह की बाहरी सहायता पर पूर्ण रोक और उसे नैटो सदस्यता न देने की प्रतिबद्धता जैसी शर्तें रखी हैं वहीं यूक्रेन कह रहा है कि वह अपनी संप्रभुता को लेकर कोई सौदेबाजी नहीं करेगा और रूस को उसकी कब्जा की गई जमीन वापस करनी होगी।

यूरोप की भूमिका

यूरोपीय देश यूक्रेन के पलड़े का वजन बढ़ाने की कोशिश में अभी भी लगे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत में यह बात दोहराई कि स्थायी और न्यायपूर्ण शांति सुनिश्चित करने के लिए यूक्रेन की स्थिति को अधिकाधिक मजबूती देने की जरूरत है।

आगे की राह

निश्चित रूप से पूर्ण युद्धविराम की ओर ले जाने वाली आगे की राह मुश्किलों से भरी है। यूक्रेन की कुल भूमि का करीब पांचवां हिस्सा रूस के कब्जे में है। क्या रूस यह जमीन लौटा देगा? न लौटाने पर क्या यूक्रेन इस जमीन पर अपना दावा छोड़ देगा? दोनों में से कोई विकल्प आसान नहीं, लेकिन याद रखना होगा कि विश्व बैंक के मुताबिक तीन साल से चल रहे इस युद्ध में अकेले यूक्रेन को 152 बिलियन डॉलर यानी करीब 13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। इस तरह के मामलों में अक्सर देखा गया है कि समझौते से पहले संबंधित पक्ष अपनी ओर से कड़ी शर्तें रखते हैं और सुलह की संभावना बीच के रास्ते से बनती है।

वोटर ID को आधार से लिंक करना अनिवार्य होगा या नहीं? जानें पूरी प्रक्रिया, फायदे और विवाद

भारत में मतदाता पहचान पत्र (वोटर ID) को आधार कार्ड से जोड़ने की प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग (ECI) और केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। 18 मार्च को दिल्ली में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और UIDAI के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। सरकार का कहना है कि इस कदम से फर्जी मतदाता हटाए जाएंगे, जबकि विपक्ष का आरोप है कि इससे गरीब और वंचित तबकों के लिए मतदान प्रक्रिया जटिल हो जाएगी।

ECI के सूत्रों के अनुसार, वोटर ID-आधार को लिंक करने का मकसद आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची से डुप्लीकेट वोटर्स को साफ करना और पारदर्शिता लाना है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा,

18 मार्च को कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, 'यह फैसला लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बदौलत लिया गया। चुनाव आयोग ने यह स्वीकार किया कि कांग्रेस के उठाए गए फर्जी वोटर्स के मुद्दे सही हैं। यानी एक वोटर के पास कई वोटर ID कार्ड हैं, जिससे वोट में धांधली होती है। इस समस्या को आधार कार्ड के जरिए खत्म किया जा सकता है।'

राहुल गांधी ने X पर लिखा, 'कांग्रेस और INDIA ब्लॉक लगातार मतदाता सूचियों के मुद्दे उठाता रहा है। इसमें असामान्य रूप से मतदाताओं को जोड़ना, हटाना और डुप्लीकेट वोटर आईडी शामिल हैं।'

राहुल ने कहा, 'आधार से डुप्लीकेट वोटर्स नम्बर की समस्या हल हो सकती है, लेकिन सबसे गरीब और सबसे ज्यादा वंचित लोगों की लिंकिंग प्रोसेस में मुश्किलें हो सकती हैं।'

कांग्रेस और INDIA गठबंधन का आरोप है कि लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ 5 महीनों में 39 लाख नए वोटर्स जुड़े, जबकि पिछले 5 साल में सिर्फ 32 लाख नए वोटर्स जुड़े थे। महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या राज्य के कुल वयस्क नागरिकों से भी ज्यादा हो गई है।

इलेक्शन कमीशन पर डुप्लीकेट वोटर्स और मतदाता सूची में अप्रत्याशित नाम जुड़ने और हटाने को लेकर दबाव तो था, लेकिन वोटर ID को आधार से लिंक कराने का फैसला सिर्फ इसी वजह से लिया गया है, ये कहना मुश्किल है, क्योंकि 2015 में भी ऐसी प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इसे रोक दिया गया था।

2021 में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन के बाद आधार को वोटर ID से जोड़ने की इजाजत मिल गई थी। इसके लिए चुनाव आयोग ने मतदाताओं से आधार कार्ड का डेटा इकट्ठा करना शुरू भी कर दिया। हालांकि आयोग ने अभी तक दोनों डेटाबेस को लिंक नहीं किया।

वोटर ID को आधार से लिंक करने की प्रोसेस के लिए नए मतदाता को फॉर्म 6 और पुराने मतदाताओं को फॉर्म 6B भरना होगा। इसमें मतदाताओं के पास दो ऑप्शन होते हैं...

मतदाता अपना आधार नंबर दे दें।

मतदाता कह दें कि मेरे पास आधार कार्ड नहीं है।

अगर किसी के पास आधार नहीं है, तो वे दूसरा डॉक्यूमेंट दे सकते हैं। जैसे PAN, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट या बैंक पासबुक।

इलेक्शन कमीशन ने सितंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि मतदाताओं को आधार देना जरूरी नहीं है। 66.23 करोड़ वोटर्स ने अपनी मर्जी से आधार नम्बर जमा करवाए हैं। सरकार ने यह भी कहा कि जो लोग अपने आधार कार्ड को मतदाता सूची से नहीं जोड़ते हैं, उनके नाम मतदाता सूची से नहीं काटे जाएंगे।

हालांकि इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक अब अगर कोई वोटर अपना आधार कार्ड नहीं देगा, तो फॉर्म 6 में उसे इसका पुख्ता कारण बताना होगा। यह बदलाव कानून मंत्रालय जल्द ही गजट नोटिफिकेशन के जरिए करेगा। यह बदलाव बिहार विधानसभा चुनाव से पहले होने की उम्मीद है।

वोटर ID को आधार से लिंक करने पर मतदाताओं को 4 बड़े फायदे होंगे...

आसान रजिस्ट्रेशन प्रोसेस: मतदाता अपना वोटर ID आसानी से आधार कार्ड के जरिए रजिस्ट्रेशन या अपडेट कर सकेंगे। बिना कागजी प्रक्रिया के पता बदल जाएगा या नया ID कार्ड बन जाएगा।

आसान वेरिफिकेशन प्रोसेस: मतदान केंद्र पर आइडेंटिटी वेरिफिकेशन आसान और तेज हो जाएगा। इससे मतदाताओं को लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

फर्जी वोटिंग से सुरक्षा: आधार कार्ड लिंकिंग से फर्जी वोटिंग की आशंका कम हो जाएगी। मतदाताओं का वोट सही तरीके से दर्ज होगा।

एक जगह मिलेगी डिटेल्स: अगर मतदाता सूची में कोई गलती होती है, जैसे नाम या पता गलत होना, तो आधार लिंक होने पर इसे ठीक करना आसान हो जाएगा। सारी डिटेल्स एक ही जगह इकट्ठी हो जाएंगी।

वोटर ID को आधार से लिंक करने का प्रयास चुनाव आयोग पहले भी कर चुका है। 2015 में चुनाव आयोग ने मार्च 2015 से अगस्त 2015 तक राष्ट्रीय मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्यक्रम (NERPAP) चलाया था। उस समय चुनाव आयोग ने 30 करोड़ से ज्यादा वोटर ID को आधार से लिंक करने का प्रोसेस पूरा कर लिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे. चेलमेश्वर, जस्टिस एस. ए. बोबड़े और जस्टिस सी. नागप्पन की बेंच ने फैसला सुनाते हुए प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

दरअसल, वोटर ID को आधार से लिंक करने की प्रक्रिया के दौरान आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के करीब 55 लाख लोगों के नाम वोटर डेटाबेस से हट गए थे। आधार की संवैधानिकता को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था और सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को वोटर ID और आधार को लिंक करने से रोक दिया था। इनमें सबसे प्रमुख याचिका 2012 में जस्टिस (रिटायर्ड) के.एस. पुट्टस्वामी ने दायर की थी। कोर्ट ने इस रोक के पीछे 3 तर्क दिए थे...

1. आधार कार्ड के डेटा के साथ जोड़ने से जनता की राइट टू प्राइवेसी का उल्लंघन हो सकता है। इसका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है।
2. आधार को वोटर ID से जोड़ने की वजह से वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हो सकती है। कुछ लोगों को मतदान से वंचित किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पहलू पर भी विचार किया और सरकार से लिंकिंग की जरूरतों को स्पष्ट करने का आदेश दिया।
3. सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आधार को व्यक्ति की मर्जी से इस्तेमाल किया जाना चाहिए, न कि अनिवार्य रूप से। \

सुप्रीम कोर्ट ने इसे सीमित करते हुए कहा कि आधार का इस्तेमाल सिर्फ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) और LPG सब्सिडी जैसी कुछ कल्याणकारी योजनाओं तक ही हो सकता है। 26 सितंबर 2018 को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संवैधानिक बेंच ने आधार एक्ट को कुछ शर्तों के साथ वैध ठहराया। कोर्ट ने निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार माना, लेकिन आधार को कल्याणकारी योजनाओं के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति दी।

प्रेरक व्यक्तित्व

डॉ. सत्यवान सौरभ

सुनहरा लम्हा : अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खुले रास्ते

नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेस एक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेस एक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जो सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे कि मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियां अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएं और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियां शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनका भारत से गहरा जुड़ाव रहा है। उनके पिता भारतीय मूल के हैं और उन्होंने कई बार भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान की बढ़ती उपलब्धियों के बीच, सुनीता विलियम्स एक प्रेरणास्त्रोत बनी हुई हैं। इसरो भी अब मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसरो ने हाल ही में गगनयान के लिए प्रमुख परीक्षण पूरे किए हैं और आने वाले वर्षों में भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। सुनीता विलियम्स की उपलब्धियां न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि भारतीय मूल के लोग वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भविष्य में, इसरो और नासा के बीच सहयोग बढ़ सकता है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी। सुनीता विलियम्स न केवल एक उत्कृष्ट अंतरिक्ष यात्री हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। उनका सफ़र यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और विज्ञान के प्रति जुनून कैसे किसी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है कि वे अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय छात्रों और युवाओं को वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके अनुभव और उपलब्धियां न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएं केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियां अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएं और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियां शामिल हैं। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई दी और उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की।

(लेखक कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

साधना से ही मिलता है वास्तविक सुख

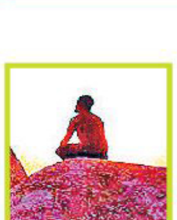

संकलित

दर्शन

अधिकांश व्यक्ति आज भौतिक मूल्यों के उपासक बन गए हैं। इस कारण जीवन के धर्म एवं मर्म को भुला बैठे हैं। उनकी इस उपासना ने दुनिया के बाह्य जगत को बड़ा सुहावना, लुभावना और आकर्षक बना दिया है। जबकि वास्तविक सुख आंतरिक सौंदर्य, अंतर्जगत की जागृति एवं अंतर्यात्रा से ही संभव है। भौतिक आकर्षण के पीछे मनुष्य दौड़ रहा है। यदि वह क्षण भर रुककर गंभीरता से सोचे तो उसे पता चलेगा कि यह सब भ्रम जाल है। जीवन वह नहीं, जिसे वह जी रहा है। संत एकनाथ ने कहा है कि धन जोड़कर भक्ति का दिखावा करने से कोई लाभ नहीं, क्योंकि ऐसा करने से मन में वासना और भी बढ़ जाएगी और जिनका चित्त वासना में फंसा हुआ है, उन्हें अंतरात्मा के दर्शन कैसे हो सकते हैं। वास्तविक सुख पाने के लिए व्यक्ति भक्ति यानी साधना की ओर प्रवृत्त होता है। स्थायी सुख की प्राप्ति भक्ति पर ही निर्भर है। भक्ति से मन को वश में करना है और मन को वश में करने का सरल उपाय है उसे परमात्मा के हेतु निरंतर भले कार्यों में लगाए रखना। महात्मा गांधी ने प्रेमा बहन के नाम लिखे पत्र में लिखा है-जो लोग कृष्ण-कृष्ण कहते हैं वे उसके पुजारी नहीं हैं। जो उनका काम करते हैं, वे ही पुजारी हैं। रोटी-रोटी कहने से पेट नहीं भरता, अपितु रोटी खाने से ही भरता है। मन को वश में लाने का अभ्यास अनेक प्रकार का होता है। इन अभ्यासों को ही भक्ति यानी साधना कहा गया है। जिस व्यक्ति ने स्वयं को शांति-अशांति, मान-अपमान और सुख-दुख से निर्लिप्त बना लिया है, वही निर्विघ्न शांति में स्थित रह सकता है।

अच्छी बातें जीवन में उतारने पर ही लाभ मिलेगा

संकलित

प्रेरणा

द्वापर युग में द्रोणाचार्य को भीष्म पितामह ने कौरव और पांडव राजकुमारों का गुरु बना दिया था। एक दिन द्रोणाचार्य ने सभी राजकुमारों को एक पाठ दिया और कहा कि कल इस पाठ को आत्मसात करके आना है। आत्मसात शब्द का अर्थ है जीवन में, अपने आचरण में उतारना। अगले दिन सभी राजकुमार गुरु के आश्रम में पहुंच गए। पढ़ाई शुरू हुई तो द्रोणाचार्य ने पूछा कि कौन-कौन कल का पाठ याद करके आया है? युधिष्ठिर को छोड़कर बाकी सभी राजकुमारों ने कह दिया कि हमने ये पाठ याद कर लिया है। गुरु ने युधिष्ठिर से पूछा कि तुमने पाठ याद क्यों नहीं किया है? युधिष्ठिर ने कहा कि मैंने अभी तक ये पाठ आत्मसात नहीं किया है। ये बात सुनकर द्रोणाचार्य हैरान थे। कुछ देर सोचकर गुरु ने कहा कि ठीक है कल याद करके आना। इसके बाद दस दिन बीत गए, लेकिन युधिष्ठिर को वो पाठ अब तक याद नहीं हुआ था। जबकि अन्य राजकुमार युधिष्ठिर से 10 पाठ आगे पहुंच गए थे। द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर से पूछा कि आखिर बात क्या है। युधिष्ठिर ने कहा कि गुरुदेव, जैसे मेरे भाइयों ने ये पाठ याद किया है, वैसे तो मुझे याद है, लेकिन आपने कहा था कि इस पाठ को आत्मसात करना है। आपने सत्य को जीवन में उतारने का पाठ दिया था और मैं सत्य को जीवन में उतार नहीं पा रहा हूं। जब तक मैं इसे आत्मसात नहीं कर लूंगा, जब तक मैं सत्य को जीवन में नहीं उतार लूंगा, तब तक मैं इससे आगे नहीं बढ़ पाऊंगा।

अंतर्मन

आज की पाती

होली, मस्जिदें और तिरपाल

जैसे ही होली के पावन अवसर पर खबर आई कि मस्जिदों पर तिरपाल ओढ़ाई गई, ख्याल आया कि मस्जिदों का सफेद रंग होने के चलते रंग-बिरंगे रंगों से वे खराब न हो जाएं, इसलिए मुस्लिम भाइयों ने मस्जिदों को ढका होगा। लेकिन यहां तो सांप्रदायिकता की बू आ रही है। पता चल रहा है कि वे होली के रंग अपने धर्मस्थलों पर लगवाना ही नहीं चाहते। यह धर्मान्धता है। हिंदू-मुसलमान त्योहारों को खुशी से मनाते हैं, जैसे क्रिसमस, ईद आदि, और अगर कोई त्योहार मनाते नहीं हैं तो किसी त्योहार का इस तरह तिरस्कार नहीं करते हैं। अगर मस्जिदों को ढकने का निर्णय सिर्फ प्रदूषण से बचाव है, तो ठीक है, परंतु अगर रंगों से बचाव संस्कृति से बचाव है, तो यह सही नहीं है।

- संतोष जायसवाल, रायगढ़

X ट्रेंड

संगीत दिग्गज इलैयाराजा

राज्यसभा सांसद थिरु इलैयाराजा एक ऐसे संगीत दिग्गज हैं जिनकी प्रतिभा का हमारे संगीत और संस्कृति पर बहुत बड़ा प्रभाव है। वे हर मायने में एक अग्रणी व्यक्ति हैं और उन्होंने कुछ दिन पहले लंदन में अपनी पहली पश्चिमी शास्त्रीय सिम्फनी, वैलिएंट प्रस्तुत करके इतिहास रच दिया।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

विलियम्स का स्वागत

पृथ्वी पर वापस आने पर आपका स्वागत है, सुनीता विलियम्स। अंतरिक्ष में आपकी 9 महीने की अविश्वसनीय यात्रा वास्तव में प्रेरणादायक रही है। आपका साहस और समर्पण पीढ़ियों तक सपनों को प्रज्ज्वलित करता रहेगा।

-अरविन्द केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

नारी सुरक्षा की व्यवस्था

सपा के शासनकाल में उप्र में शुरू हुए 'महिला सुरक्षा' के लिए समर्पित '1090' मॉडल को अब राजस्थान सरकार अपना रही है। इससे नारी सुरक्षा की प्रभावकारी और सार्थक व्यवस्था तैयार होगी।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

सक्रिय दृष्टिकोण

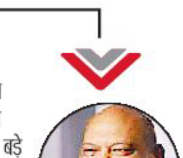

भारत सरकार ने बहुत सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है। ऊर्जा स्वतंत्रता और खनिज सुरक्षा के अलावा, संसाधन क्षेत्र विकास, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन प्रदान करेगा।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

बलूचिस्तान में तीन विवि ने ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के तीन विश्वविद्यालयों ने सुरक्षा कारणों से अनिश्चित काल के लिए परिसर में कक्षाएं निलंबित कर दी हैं और छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से कक्षाओं में भाग लेने के लिए कहा है। मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली। प्रांत में आतंकी हमलों में वृद्धि के बीच विश्वविद्यालयों ने यह कदम उठाया है। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान विश्वविद्यालय, सरदार बहादुर खान महिला विश्वविद्यालय और तुर्बत विश्वविद्यालय ने डीन और शैक्षणिक विभागों के प्रमुखों के साथ परामर्श के बाद यह निर्णय लिया। पिछले सप्ताह आतंकवादियों ने सिबी के पास जाफर एक्सप्रेस को कब्जे में लेकर यात्रियों को बंधक बना लिया था। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 26 बंधकों की जान चली गई थी। तब से बलूचिस्तान में कई हमले हो चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि हाल ही में हुए हमलों और सुरक्षा खतरों के बाद तीनों विश्वविद्यालयों ने कक्षाएं ऑनलाइन कर दी हैं।

ऑफ बीट

बीएमआई नहीं बता सकता कि हम स्वस्थ हैं या नहीं

हम जानते हैं कि 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) किसी के वजन और उससे जुड़े स्वास्थ्य के आकलन के लिए उपयुक्त प्रक्रिया नहीं है, लेकिन यह चिकित्सकों, जनसंख्या शोधकर्ताओं और निजी प्रशिक्षकों के लिए यह उपयोगी उपकरण बना हुआ है। बीएमआई लोगों को चार वजन श्रेणियों में वर्गीकृत करने की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जांच विधि है : कम वजन (बीएमआई 18.5 से कम), सामान्य वजन (18.5 से 24.9), अधिक वजन (25.0 से 29.9) या मोटापा (30 या अधिक)। किसी के वजन को उसकी लंबाई के वर्ग से विभाजित करके इसका पता लगाया जाता है। बेल्जियम के गणितज्ञ लैम्बर्ट एडोल्फ जैकस क्यूटलेट (1796-1874) ने औसत पश्चिमी यूरोपीय व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं का पता लगाने के लिए 1832 में एक गणितीय मॉडल 'बीएमआई' को इजाद किया था। इसे शुरू में क्यूटलेट इंडेक्स कहा गया और इसे कभी भी चिकित्सकीय आकलन का उपकरण नहीं माना गया। 1972 में क्यूटलेट इंडेक्स को 'बॉडी मास इंडेक्स' कहा गया। गणितीय सूत्र का उपयोग करके किसी के स्वास्थ्य का पूरा आकलन करना संभव नहीं है।

रॉयल पत्रिका

राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विभिन्न वर्ग होंगे लाभान्वित - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को लेकर राज्य सरकार बड़े स्तर पर प्रदेश के विभिन्न वर्गों के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन के जरिए विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवा, किसान, महिला और गरीब वर्ग को विभिन्न सौगातें देगी।

रोजगार उत्सव में युवाओं को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

शर्मा ने कहा कि राजस्थान के युवाओं के सरकारी नौकरियों में रोजगार के सपने को साकार करते हुए रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेला भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कील नीति व युवा नीति भी लायी जाएगी, जिससे युवाओं के सपने साकार हो सकेंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर 'रन फॉर फिट राजस्थान' का आयोजन होगा।

विभिन्न योजनाओं के लाभ से महिला सशक्तीकरण को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से अहम निर्णय ले रही है। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में महिला वर्ग को भी विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत डीबीटी की जाएगी तथा महिला समूह को सी.आई.एफ राशि का हस्तांतरण भी किया जाएगा। साथ ही, विवेकानंद स्कॉलरशिप योजना के तहत राशि हस्तांतरण एवं कालीबाई भील योजना के अंतर्गत स्कूटी वितरण किया जाएगा।

नागौर में वंचित परिवारों को घरेलू विद्युत कनेक्शन देने के लिए डीपीआर बनाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन- उर्जा राज्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि नागौर जिले में विद्त कनेक्शन से वंचित परिवारों को चिन्हित कर डीपीआर बनाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि डीपीआर बनने के बाद केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने पर वंचित परिवारों को घरेलू विद्त कनेक्शन जारी किये जायेगे।

उर्जा राज्यमंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 तक के सर्वे के आधार पर नागौर जिले में 12 हजार 820 घरेलू विद्त कनेक्शन से वंचित परिवारों को चिन्हित किया गया है।

इससे पहले विधायक अजय सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उर्जा राज्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 15 मार्च 2022 को सौभाग्य योजना समाप्त हो चुकी है।

खण्डार विधानसभा क्षेत्र के वंचित गाँवों एवं ढाणियों को शीघ्र पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी - मंत्री

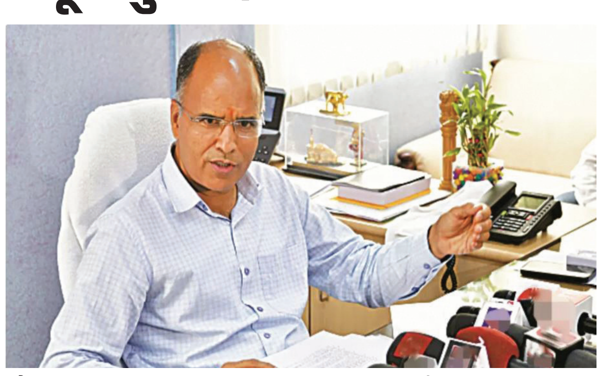

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने बुधवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि राज्य सरकार द्वारा जल्द ही सभी गाँवों एवं ढाणियों में जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि खण्डार विधानसभा क्षेत्र के कुल 252 गाँवों में से 195 गाँवों में ओटीएमपी योजना के तहत कार्य स्वीकृत किये गए हैं। शेष रहे 57 गांवों में से 17 गाँवों को ईसरदा दौसा पेयजल परियोजना से जोड़ा जा रहा है तथा 40 गाँवों के लिए चम्बल सवाईमाधोपुर नादौती पेयजल परियोजना की स्वीकृति जारी कर निविदा प्रक्रियाधीन है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन की गुणवत्ता, लीकेज एवं अन्य जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायतों के निराकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा उच्च स्तरीय समिति का गठन कर आवश्यक जाँच की जाएगी। जाँच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि संवेदकों द्वारा यदि गलत भुगतान लिया गया है तो राशि की रिकवरी कर ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की इस वर्ष की बजट घोषणा के क्रम में प्रदेश में 1 हजार हैंडपंप एवं 1500 ट्यूबवैल स्थापित किये जाएंगे। इसके साथ ही पुराने क्षतिग्रस्त हैंडपंप एवं ट्यूबवैल के मरम्मत का कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्यूबवैल लगाने में अनियमितता बरतने वाले संवेदकों की जाँच की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर विभाग द्वारा दुबारा नई पाइपलाइन डालने की कार्यवाही की जाएगी।

इससे पहले विधायक जितेन्द्र कुमार गोठवाल के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र खण्डार के सभी 252 आबाद ग्रामों को जल जीवन मिशन अंतर्गत लाभान्वित किये जाने हेतु वृहद परियोजनाओं/लघु योजनाओं की स्वीकृतियां राज्य स्तरीय योजना स्वीकृति समिति की विभिन्न बैठकों द्वारा जारी की जा चुकी है। जिसका विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत विधानसभा क्षेत्र खण्डार में 75, 90, 110, 125, 140, 160, 180, 200 एम.एम. तक की विभिन्न साइज की पाइप लाइन विभागीय मापदण्डानुसार भू-तल से सामान्यतः 90 सेन्टीमीटर मृदा कवर रखते हुए डाली गई है। स्वीकृत 182 लघु योजनाओं में से 88 लघु योजनाओं के कार्य पूर्ण कर 91 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति प्रारंभ की जा चुकी है। ग्रामों की सूची उन्होंने सदन के पटल पर रखी।

वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट और खनन प्रबंधन में ड्रोन तकनीक का उपयोग माइनिंग सेक्टर के लिए लाभकारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। माइनिंग सेक्टर में वोल्यूमेट्रिक आकलन और खनिज प्रबंधन में ड्रोन तकनीकों के उपयोग पर बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य सरकार, तकनीकी विशेषज्ञों और माइनिंग लीजधारकों के प्रतिनिधियों के बीच सीधा संवाद कायम किया गया। प्रमुख शासन सचिव माइन्स टी. रविकान्त ने कहा कि तकनीक और नई व्यवस्था को आत्मसात करने में शुरुआत में भ्रान्तियां और जिज्ञासाएं होती है और उसी को समझने और दूर करने के लिए सरकार द्वारा यह साझा मंच उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट और खनिज प्रबंधन में ड्रोन तकनीक का उपयोग सरकार और लीजधारक दोनों के लिए लाभकारी होने के साथ ही काम को आसान करने का माध्यम है। विचार विमर्श में आये सुझावों का गुणावगुण के आधार पर अध्ययन कर एसओपी जारी की जाएगी।

टी. रविकान्त ने कहा कि शुरुआत में नई व्यवस्था में हमें खामियां या भ्रांतियां ही दिखाई देती है जिनका आपसी विचार मंथन से निराकरण और समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में माइनिंग सेक्टर में व्यवस्था के सरलीकरण और प्रक्रियाओं को आसान करने का सिलसिला लगातार जारी है। देखा जाए तो यह एक तरह से नेशन बिल्डिंग प्रोसेस का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर में हमें और सुधार व सरलीकरण देखने को मिलेगा।

रविकान्त ने बताया कि ड्रोन कंपनियों और विशेषज्ञों को बुलाने का कारण भी यही है कि वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट और ड्रोन के उपयोग के संबंध में समझा जा सके और लीजधारक तकनीक के उपयोग से और अधिक आसानी से काम कर सकें। उन्होंने कहा कि हमें समझना होगा कि तकनीक हमारे काम को आसान करने के लिए है और उसमें समयानुकूल बदलाव होता रहता है।

एमडी आरएसएमएम भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट और ड्रोन सर्वे से आने वाले समय में माइनिंग सेक्टर को लाभ मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि अच्छे बदलाव के लिए हमें तैयार रहना चाहिए।

निदेशक माइंस दीपक तंवर ने कहा कि खनिज लीज धारकों द्वारा वार्षिक रिटर्न के साथ प्रस्तुत करना होगा और एक बार शुरु करने के बाद आगे के लिए लीजधारकों को भी सुविधाजनक हो जाएगा।

तंवर ने बताया कि विभाग द्वारा जारी होने वाली एसओपी स्पष्ट, पारदर्शी और सरलीकृत होगी।

लीज धारकों से सीधे संवाद में राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियमों में ड्रोन सर्वे प्रावधानों की जानकारी देने के साथ ही आइडिया फोर्ज द्वारा खनन में ड्रोन सर्वे का अनुप्रयोग, गरुड सर्वे द्वारा ड्रोन सर्वे के माध्यम से खनन में उत्खनन का वोल्यूमेट्रिक आकलन, एमपीआरएसएस माइनिंग सोल्यूशन द्वारा खदानों में ड्रोन का अनुप्रयोग, वीएस सेफ्टी द्वारा खदानों के लिए सेवा के रुप में ड्रोन और एपीएसएल साल्यूशन द्वारा उत्खनन में ड्रोन सर्वे तकनीक और स्फेयर द्वारा डीजीसीए द्वारा ड्रोन सर्वे लाइसेंस के दिशा-निर्देश और प्रक्रिया की पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गई।

प्रदेश में अब तक 51 लाख 10 हजार कृषकों ने बनवाई फार्मर आईडी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें डिजिटल रूप में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। एग्रीस्टेक योजना में किसान रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन 31 मार्च तक किया जा रहा है। इस योजना में राज्य के सभी जिलों में शिविर आयोजित कर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनायी जा रही है।

राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को पंत कृषि भवन में वीसी के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों के साथ कृषि रजिस्ट्री शिविरों की प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक योजनान्तर्गत फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन ग्राम स्तर पर 31 मार्च तक किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक कृषक का रजिस्ट्रेशन करवाया जाना सुनिश्चित किया जाये। एग्रीस्टेक शिविरों के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित करवाकर किसानों की विशिष्ट आईडी बनायी जा रही है। पूरे प्रदेश में अब तक 9 हजार 805 शिविरों का आयोजन कर 51 लाख 10 हजार 310 कृषकों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगल पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

इस अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जा रही है। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी सिद्ध होगी। इस दौरान बैठक में चीफ नॉलेज ऑफिसर एग्रीस्टैक (भारत सरकार) राजीव चावला वीसी के माध्यम से जुड़े तथा आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, आयुक्त राजस्व अरुण कुमार गर्ग सहित कृषि व राजस्व विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

वैज्ञानिको के अनुसार रोजा शरीर को सेहतमंद बनाता है – डॉ. रिजवान अहमद

-खजूर से रोजा खोलने के पीछे है वैज्ञानिक कारण

जाफर लोहानी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय यूनानी अस्पताल ताला के वरिष्ठ यूनानी डॉक्टर रिजवान अहमद साहब ने कहा की रमजान का मुकद्दस महीना पूरा होने जा रहा है। रमजान के पाक महीने में रोजा रखना मुसलमानों पर फर्ज माना गया है। लेकिन यह तो धार्मिक कारण है इससे विद्वान व चिकित्सक एक महीने के इस रोज के पीछे वैज्ञानिक कारण भी मानते हैं।

डॉक्टर रिजवान अहमद साहब कहते हैं कि मुसलमानों में यह रोजा लगातार 1 महीने का जरूर होता है यह रोजा विज्ञान से भी जुड़ा हुआ है। पूरे वर्ष में एक माह का रोज शरीर के लिए कई मायने में फायदेमंद होता है रोजे के दरमियान प्रोटीन यूरिक एसिड भी नॉर्मल हो जाता है। इस महीने में शरीर मानसिक रूप से तनाव मुक्त हो जाता है।

डॉक्टर रिजवान अहमद ने कहा कि चावल आलू आदि के खाने से शरीर में स्टार्च की मात्रा बढ़ती है 1 महीने तक इसके नियंत्रित सेवन से शरीर में इस दरमियान स्फूर्ति बरकरार रहती है। रोजो के दिनों में जमा फेट का उपयोग शरीर द्वारा किया जाता है जिससे शरीर में इसकी मात्रा कम होती है ऐसे में ब्लड प्रेशर हार्ट डिजीज आदि में फायदा होता है।

डॉक्टर रिजवान अहमद कहते हैं कि फास्टिंग के दरमियान में लोगों को सावधानी भी रखना चाहिए। इस समय ग्लूकोस बर्न होता है स्वाभाविक स्वाभाविक है की कमजोरी भी महसूस होती है। रोजो के समय ब्लड प्रेशर डायबिटीज आदि से ग्रस्त लोगों को अधिक पेशाब होने वाले दवाई का सेवन कम कर देना चाहिए या अपने चिकित्सा से परामर्श लेना चाहिए। सेहरी और इफ्तार के समय कम मात्रा में लेकिन रात को भोजन भरपूर मात्रा में लेना चाहिए उन्होंने कहा कि नमक और सिर्फ की मात्रा कम लेना आवश्यक है। ताकि प्यास कम लगे साथ ही इफ्तार और सेहरी के समय फाइबर्स और शुगर कंटेनिंग डाइट के साथ ही फलों का सेवन अधिक करना चाहिए।

रोजा इफ्तार के दौरान खजूर का विशेष रूप से सेवन करते हैं। दरअसल हदीस में कोई खजूर से रोजा इफ्तार करने की बात आई है। इफ्तार करने की सुन्नत (पैगंबर मोहम्मद जो भी काम करते थे उन्हें सुन्नत करार दिया गया है) के मुताबिक तरीका यह है कि रुतब (पके हुए ताजा खजूर) से रोजा इफ्तार किया जाए।

विशेषज्ञ की माने तो रोजा खजूर से खोलने से सबाब मिलता है लेकिन शबाब मिलने के साथ-साथ यह आपकी सेहत के लिए ही फायदेमंद है बता दे की खजूर में नेचुरल शुगर होती है जिससे रोजा रखने के दौरान कम हुआ शुगर लेवल बैलेंस हो जाता है शुगर में सुक्रोज फ्रुक्टोज और ग्लूकोज पाए जाते हैं खजूर में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है मैग्नीशियम में जवलनरोधी गुण होता है खजूर में मौजूद पोटैशियम अधिक ब्लड प्रेशर को भी कम करने का काम करता है खजूर से रोजा अफ़तार करने पर शरीर को तुरंत ताकत मिलती है इससे कोलेस्ट्रोल का स्तर भी काम होता है।

किसानों को खरीद केन्द्रों पर असुविधा का नहीं करना पड़े सामना - सहकारिता मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार की भावना है कि किसानों को उनकी उपज का पूरा दाम मिले। उन्होंने कहा कि अप्रेल माह से शुरु की जा रही सरसों-चना खरीद की सभी तैयारियां इस प्रकार की जाएं कि किसानों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें अच्छा महसूस हो।

सहकारिता मंत्री बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर के प्रावधानों में शिथिलता इसलिए दी गई है ताकि प्रक्रिया में अच्छे लोग शामिल हों और किसानों को अपनी उपज बेचान के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। दक ने कहा कि यदि लगातार किसी ठेकेदार की शिकायत मिलती है तो उसे डिबार करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को टेंडर फेल होने की स्थिति में दूसरा विकल्प तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी पूरे समय खरीद केन्द्र पर मौजूद रहे और उसकी पूरी जिम्मेदारी निर्धारित हो, इसके लिए एक अधिकारी को एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज नहीं दिया जाएगा।

दक ने निर्देश दिए कि उप रजिस्ट्रार खरीद केन्द्रों का जायजा लेकर वहां टेंट, छाया, पानी आदि की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। साथ ही, ठेकेदार के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि उसके पास खरीद के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि खरीद केन्द्रों पर दलालों द्वारा माल तोलने की समस्या नहीं होनी चाहिए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि चूंकि बाजार भाव की तुलना में समर्थन मूल्य की दरें आकर्षक हैं लिहाजा खरीद केन्द्रों पर बड़ी मात्रा में सरसों-चना बिक्री के लिए आएंगे। ऐसी स्थिति में रजिस्ट्रेशन की संख्या के अनुरूप अतिरिक्त खरीद केन्द्र खोले जाएं। उन्होंने कहा कि खरीद का लक्ष्य पूरा हो, इसके पूरे मनोयोग से प्रयास किए जाएं। सहकारिता मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद केन्द्रों वाली क्रय-विक्रय एवं ग्राम सेवा सहकारी समितियों के पदाधिकारियों के साथ 25 मार्च से पूर्व बैठक कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। खरीद केन्द्रों पर गुणवत्ता मापदण्डों का बैनर लगाया जाए। साथ ही, इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए कि खरीद केन्द्रों पर किसानों को उपज बेचान में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 10 अप्रेल से खरीद प्रक्रिया शुरू करने के अनुरूप समय पर सभी तैयारियां पूरी की जाएं। किसानों को एमएसपी का पूरा लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रतिनिधि के उपलब्ध नहीं होने की वजह से टेंडर प्रक्रिया में देरी हो रही है तो कमेटी में दूसरे प्रतिनिधि को शामिल करवाया जाए। साथ ही, शिकायत मिलने के बाद निरीक्षण की बजाय अधिकारी नियमित आधार पर खरीद केन्द्रों का निरीक्षण करें।

इससे पूर्व राजफेड के प्रबंध निदेशक टीकमचन्द बोहरा ने खरीद को लेकर की जा रही तैयारियों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएंगी। बैठक में संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़ सहित राजफेड के अधिकारी मौजूद रहे। जबकि समस्त खण्डीय अतिरिक्त रजिस्ट्रार, उप रजिस्ट्रार तथा राजफेड के क्षेत्रीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

मानकीकरण हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक — मुख्य सचिव

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मानकीकरण हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक बुधवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में सचिवालय के समिति कक्ष प्रथम में आयोजित की गई। बैठक में उपभोक्ता मामले विभाग, उद्योग विभाग, ऊर्जा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, भारतीय मानक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्टेट चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में सभी विभागों की खरीद नीति में भारतीय मानकों की अनुपालना करवाने, भारतीय मानक ब्यूरो की मॉडल बिल्डिंग उपविधियों (एसपी 73) को लागू करने, राज्य सरकार के प्रशिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम में भारतीय मानकों संबंधी जानकारी शामिल करने तथा भारतीय मानकों को बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार की वेबसाइटस पर बीआईएस ऐप का लिंक अपलोड करने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के हितों को मद्देनजर रखते हुए भारतीय मानकों की अनुपालना करवाई जाएगी ताकि बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के विभागों द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों में सम्बंधित भारतीय मानकों को लागू किया जाएगा। पंत की अध्यक्षता में बैठक में निर्णय लिया गया कि भारतीय मानकों को बढ़ावा देने एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सभी विभागों की खरीद और निविदाओं में भारतीय मानकों को शामिल किया जाए। साथ ही सभी विभागों द्वारा किए जाने वाली निर्माण कार्यों में भारतीय मानक ब्यूरो की मॉडल बिल्डिंग उपविधियों (एसपी 73) को लागू किया जाए ताकि निर्माणकार्यों में भी भारतीय मानकों के अनुसार गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। राज्य स्तरीय समिति की बैठक में भारतीय मानकों की अनुपालना सुनिश्चित करवाने हेतु भारतीय मानक ब्यूरो को आवश्यकतानुसार प्रशासनिक एवं अन्य सहयोग उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया। साथ ही बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग, उद्योग विभाग सहित विभिन्न विभागों की वेबसाइट पर बीआईएस केयर ऐप को अपलोड करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त बैठक में राज्य सरकार से द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों यथा हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा), राजस्थान पुलिस अकादमी आदि के पाठ्यक्रमों में भारतीय मानकों को शामिल करने का फैसला लिया गया। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, उपभोक्ता मामलात विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार, भारतीय मानक ब्यूरो की निदेशक कनिका कालिया सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रमजान में नेकियों का भाव 70 गुना बढ़ जाता है – चौहान

जाफ़र लोहांनी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। जामा मस्जिद के सदर जमील खान चौहान ने कहा कि आम दिनों में जब नमाजी जमात के साथ नमाज पढ़ता है तो उसको 3 करोड़ 35 लाख 54 हजार 432 नेकियां नमाजी के नामा ए आमाल में जमा हो जाती है। अब इधर रोजे में एक नेकी के बदले में 70 नेकिया मिलती है तो 70 से गुणा करने पर 2 अरब 74 करोड़ 8 लाख 10 हजार 240 कमोवेश नेकिया मिलती है। अगर पांच वक्त की नमाज पढ़ता है तो 11 खरब 7 अरब 44 लाख 5 हजार 120 नेकियां मिलती है। इसी प्रकार आम दिनों में जब नमाजी गश्त करता है तो 49 करोड़ नेकिया मिलती है अगर रोज़ो में ग्रस्त करता है तो एक नेकी के बदले में 70 नेकियां के हिसाब से 70 से गुणा करने पर 34 अरब 300 करोड़ ने किया कमोबेश मिलती है।

किसान कल्याण और गरीब का उत्थान हमारी प्राथमिकता - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले वृहद् कार्यक्रमों में प्रदेश के किसान एवं वंचित वर्ग को राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करेगी। उन्होंने कहा कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' की परिकल्पना को साकार करने के लिए राज्य सरकार महत्वपूर्ण योजनाओं को सुशासन के जरिए धरातल पर उतार रही है।

जनकल्याणकारी योजनाओं से किसान वर्ग का कल्याण हो रहा सुनिश्चित

शर्मा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से प्रदेश का किसान वर्ग लाभान्वित हो रहा है। राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के तहत प्रदेश के अन्नदाता को और अधिक सशक्त बनाने के लिए किसान उत्पादक संगठनों के 3 दिवसीय मेले व प्रदर्शनी का आयोजन 28 मार्च से 30 मार्च के मध्य किया जाएगा। यह आयोजन एफपीओ के लिए बाजार सम्पर्क, ब्रांड निर्माण, बिक्री संवर्धन और क्षमता विकास को मजबूत बनाने तथा एफपीओ को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक बाजार भी प्रदान करेगा। साथ ही, किसान कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तांतरण किया जाएगा।

जरूरतमंद व्यक्ति विभिन्न योजनाओं से होगा लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के गांव-ढाणी के अंतिम छोर पर बैठे जरूरतमंद व्यक्ति के उत्थान के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण, निर्माण श्रमिकों को राशि हस्तांतरण, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण, डेयरी बूथ आवंटन, विद्त चलित चाक का वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे।

नवीन अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय सृजन करने के लिए राज्य सरकार अधिकृत -राजस्व मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत राज्य सरकार प्रदेश में नवीन अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के सृजन करने के लिए अधिकृत है।

राजस्व मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट दौसा के क्षेत्राधिकार में दौसा, महवा, लवाण, सिकराय, नांगल राजावतान, मंडावर, सैंथल एवं बांदीकुई उपखंड मजिस्ट्रेट कार्यालय शामिल हैं। इसी प्रकार अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट लालसोट के क्षेत्राधिकार में लालसोट एवं रामगढ़-पचवारा उपखंड मजिस्ट्रेट कार्यालय शामिल हैं।

इससे पहले विधायक भागचंद टांकडा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में राजस्व मंत्री ने बताया कि वर्तमान में दौसा जिले में दो अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय दौसा एवं लालसोट संचालित है। उन्होंने बताया कि बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र की तहसील बांदीकुई में नवीन अतिरिक्त जिला कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय खोलने संबंधी कोई भी प्रस्ताव विभाग स्तर पर विचाराधीन नहीं है।

युवा और महिला वर्ग को राज्य सरकार देगी विभिन्न सौगातें - भजनलाल शर्मा

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को लेकर राज्य सरकार बड़े स्तर पर प्रदेश के विभिन्न वर्गों के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन के जरिए विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवा, किसान, महिला और गरीब वर्ग को विभिन्न सौगातें देगी।

रोजगार उत्सव में युवाओं को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

शर्मा ने कहा कि राजस्थान के युवाओं को सरकारी नौकरियों में रोजगार के सपने को साकार करते हुए रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेला भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कील नीति व युवा नीति भी लायी जाएगी, जिससे युवाओं के सपने साकार हो सकेंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर 'रन फॉर फिट राजस्थान' का आयोजन होगा।

विभिन्न योजनाओं के लाभ से महिला सशक्तीकरण को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से अहम निर्णय ले रही है। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में महिला वर्ग को भी विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत डीबीटी की जाएगी तथा महिला समूह को सी.आई.एफ राशि का हस्तांतरण भी किया जाएगा। साथ ही, विवेकानंद स्कॉलरशिप योजना के तहत राशि हस्तांतरण एवं काली बाई भील योजना के अंतर्गत स्कूटी वितरण किया जाएगा।

शहर की साफ-सफाई व्यवस्था में हो सुधार - समीक्षा गौतम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम की अध्यक्षता में बुधवार को जिला विधिक चेतना समिति की बैठक एडीआर सेन्टर, जिला न्यायालय परिसर में आयोजित हुई।

बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने जिला विधिक चेतना समिति के सदस्यों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में चर्चा कर समिति के सदस्यों को उनके कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि समिति के सदस्यों का दायित्व न केवल वृद्धाश्रमों, बालगृहों, विशेष गृहों आदि का विजिट करना है, अपितु महिलाओं, बालकों, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों की हर प्रकार की सहायता करना, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना तथा नालसा-रालसा योजनाओं सहित अन्य सरकारी योजनाओं के संबंध में आमजन में जागरूकता फैलाना भी है। इस दौरान सचिव समीक्षा गौतम ने उपस्थित सदस्यों को समाज के कमजोर वर्गों को निशुल्क विधिक सहायता, संविधान और सामाजिक कल्याण कानूनो एवं अधिनियमों, उनके अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान करने हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं एवं विभागों के सहयोग से ग्राम, ब्लॉक और जिला स्तर पर जागरूकता शिविरों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा से शहर की साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेकर शहर को स्वच्छ बनाने के लिए सभी वार्डे में कचरा संग्रहण वाहनों द्वारा नियमित रूप से डोर टू डोर कचरा संग्रहण करवाकर शहर की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने खाली भूखण्डों में कचरा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश नगर परिषद आयुक्त को दिए है। साथ ही उन्होंने आमजन को जागरूक करने हेतु आयुक्त नगर परिषद को नोटिस छपवाकर वितरित करवाने के निर्देश दिये कि आमजन ओटो टीपरो एवं कचरा पात्रों में ही कचरा डाले, अपने आस पास के खाली भूखण्डों में कचरा नहीं डाले।

उन्होंने कहा कि जिला विधिक चेतना समिति के सदस्यों द्वारा नगर परिषद के साथ समन्वय स्थापित कर सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। जिसके तहत जिले के समस्त वार्डों के निवासी अपने-अपने वार्ड एवं क्षेत्र में फैली गंदगी की जानकारी फोटो, वीडियो एवं लोकेशन सहित जिला विधिक चेतना समिति के सदस्य बनवारी लाल मीना के मोबाईल नंबर 9928052412 पर जरिये व्हाट्सएप शेयर कर सकते है, साथ ही कोई समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के हेल्पलाईन नंबर 8306002136 पर जरिये व्हाट्सएप सम्पर्क किया जा सकता है। प्राप्त शिकायतों के संबंध में मौके पर जाकर नगर परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बालगृह में बालकों को मिल रही सुविधाओं में आवश्यक सुधार हेतु सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग विमलेश कुमार एवं वृद्धाश्रम में वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिये उप निदेशक समाज कल्याण विभाग मीना आर्य को निर्देश प्रदान किये।

बैठक में सहायक जनसंपर्क अधिकारी सुरेंद्र कुमार मीणा, अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल, पैनल अधिवक्ता नन्दकिशोर बैरवा, अधिवक्ता हरिसिंह मीणा, सामाजिक कार्यकर्ता केपी सिंह एवं बनवारी लाल मीणा उपस्थित रहे।

जिले की 47 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

-निक्षय मित्र बनकर जिले को टीबी मुक्त बनाने की अपील

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के निर्देशानुसार ग्राम पंचायतों को क्षय रोग (टीबी) से मुक्त बनाने के उद्देश्य से पूरे देश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान संचालित किया जा रहा है।

जिले वासियों के सहयोग व सामूहिक प्रयासों से सवाई माधोपुर की 47 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की जा चुकी हैं। ये 47 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त होने के 6 मानदंडों पर खरी उतरी है जिसके आधार पर इन्हें टीबी मुक्त घोषित किया गया है।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान को सफल बनाने के लिए गांव, कस्बे तथा जिले में निक्षय मित्र बनकर मानवता की सेवा में योगदान दे और जिले को टीबी मुक्त बनाएं।

उन्होंने कहा कि टीबी पूरी तरह इलाज योग्य है, इसलिए यदि किसी व्यक्ति में दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन घटना या रात में पसीना आना जैसे लक्षण दिखें, तो उसे तुरंत जांच और इलाज के लिए प्रेरित करें। सरकार टीबी रोगियों को महीने में 1000 रूपये की पोषण सहायता भी दे रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सितंबर 2022 में शुरू हुए प्रधानमंत्री टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत 47 ग्राम पंचायतों ने टीबी मुक्त होने का दर्जा हासिल किया है। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में निक्षय मित्रों की अहम भूमिका है। बिना निक्षय मित्र के किसी भी ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त घोषित नहीं किया जा सकता है। जिला कलक्टर शुभम चौधरी की दूरदर्शिता एवं अभिनव प्रयासों ने इन ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त होने में सशक्त योगदान दिया है। अभियान के लिए बड़े स्तर पर निक्षय मित्र बनाए गए एवं मरीजों को उनसे पोषण किट वितरित करवाई गई।

इन 6 मानदंडों को पूरा करने पर घोषित किया जाता है टीबी मुक्त:- उन्होंने बताया कि संदिग्ध टीबी मामलों की जांच प्रतिवर्ष, टीबी नोटिफिकेशन दर प्रतिवर्ष, उपचार सफलता दर, 85 प्रतिशत रोगी इलाज के बाद सही होने चाहिए, ड्रग सस्पेक्टिबिलिटी टेस्ट,60 प्रतिशत मरीजों की हाइटेक मशीनों से टीबी की जांच, निक्षय पोषण योजना का लाभ 100 प्रतिशत मरीजों को मिलना चाहिए, निक्षय मित्रों द्वारा शत-प्रतिशत पोषण किटों का वितरण जैसे 6 मानदंडो के आधार पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया है।

लगातार जारी रहेगा अभियान:- जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अमित कुमार गोयल ने बताया कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान बाकी ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त करने हेतु निरंतर जारी रहेगा। इसके लिए टीबी के मरीजों की जांच उपचार एवं पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही टीबी संबंधित जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएगी ताकि बाकी ग्राम पंचायतें भी टीबी मुक्त होने के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। अभियान के तहत घर घर सर्वे, कम्युनिटी मोबिलाइजेशन, जन जागृति के लिए नारा लेखन, स्कूलों में भाषण प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, काउंसलिंग, मीडिया में प्रचार, आमुखीकरण कार्यशालाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है।

राजस्थान सरकार की नई पहल: बैलों से खेती करने वाले किसानों को मिलेंगे 30 हजार रुपये सालाना

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार की एक अनूठी योजना छोटे और सीमांत किसानों के लिए वरदान साबित होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने पारंपरिक खेती को पुनर्जीवित करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए एक नई योजना शुरू की है, जिसके तहत बैलों से खेती करने वाले किसानों को सालाना 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

बैलों की घटती संख्या पर चिंता

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक धनराज मीणा ने बताया कि आधुनिक मशीनों और ट्रैक्टरों के बढ़ते उपयोग के कारण बैलों का महत्व धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। पहले हर गांव में दर्जनों बैलों की जोड़ियां देखने को मिलती थीं, लेकिन अब इनकी संख्या में भारी गिरावट आई है। यह योजना किसानों को पारंपरिक खेती की ओर लौटने और बैलों के संरक्षण के लिए प्रेरित करेगी।

छोटे किसानों के लिए आर्थिक सहारा

इस योजना से छोटे और सीमांत किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। बैलों से खेती करने पर जहां खेती की लागत में कमी आएगी, वहीं जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। प्राकृतिक खाद और जैविक तरीकों के उपयोग से भूमि की उर्वरता बनी रहेगी और खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

गोपालन को मिलेगा बढ़ावा

संयुक्त निदेशक ने बताया कि इस योजना से सिर्फ खेती ही नहीं, बल्कि गोपालन को भी बढ़ावा मिलेगा। अकसर छोटे बछड़ों को निराश्रित छोड़ दिया जाता था, लेकिन अब ये बैल बनकर किसानों के लिए उपयोगी साबित होंगे। इससे पशुपालन को भी नया जीवन मिलेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक

बैलों से खेती करने से डीजल पर निर्भरता घटेगी, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा। साथ ही, बैलों द्वारा की जाने वाली जुताई भूमि की उर्वरता बनाए रखने में मदद करेगी।

ग्रामीण जीवन में लौटेगा बैलों का महत्व

गांवों में बैलों की घटती संख्या को देखते हुए यह योजना एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकती है। इससे पारंपरिक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा और किसान जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर लौटने के लिए प्रेरित होंगे।

नापासर में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध के नेतृत्व में नापासर में नमूनीकरण एवं निरीक्षण की कार्रवाई की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने बताया कि जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दल द्वारा नापासर के रामदेव मंदिर के पास स्थित जाट मोहल्ला में मैसर्स अजय ओम फूड प्रोडक्ट पर निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की गई। संस्थान की निर्माण ईकाई बिना फूड लाइसेंस के संचालित की जा रही थी। फूड हैंडलर्स का मेडिकल रिकार्ड तथा पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड नहीं था। पानी की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी। बेबी ब्रांड केसर तथा खाद्य कलर अवधि पार काम में लिए जा रहे थे, दीवारों पर जाले लगे हुए थे। फिनी लगभग 3 किलो जिसमें मरी हुई मक्खियां गिरी हुई थी को मौके पर ही नष्ट करवाया गया। पाई गई कमियों को सुधारने के लिए इंप्रूवमेंट नोटिस दिया गया तथा निर्माण इकाई को सीज किया गया। इस कार्रवाई में मावा, गुलाब जामुन, दूध तथा घी के कुल 4 नमूने लिए गए। लिए गए नमूनों को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भिजवाया जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रवण कुमार वर्मा, भानु प्रताप सिंह तथा राकेश कुमार गोदारा शामिल रहे।

'मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना' का करें अधिक से अधिक प्रचार - जिला कलेक्टर

बीकानेर,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि 'मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना' का अधिक से अधिक प्रचार किया जाए, जिससे महिलाओं को घर बैठे आमदनी के अवसर मिल सकें।

जिला कलेक्टर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय महिला समाधान समिति की बैठक में यह निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने इस दौरान 'मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना' के पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से यह पोस्टर्स निजी व सरकारी अस्पतालों, बैंकों, औद्योगिक क्षेत्रों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित अन्य स्थानों पर चस्पा किए जाएं। जिससे नियोक्ता व इच्छुक महिलाओं को जॉब पोर्टल से जोड़ा जा सके।

जिला कलेक्टर ने 'तेरे मेरे सपने: विवाह पूर्व संवाद केंद्र' के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पारिवारिक समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं को विवाह पूर्व परामर्श व समझाइश आदि सेवाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए विभाग द्वारा सतत प्रयास किए जाएं। उन्होंने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के तहत कन्या वाटिका के मुख्य द्वार, बेंच सहित बुक स्कल्पचर का निर्माण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का मुख्य 'लोगो' पार्क में लगाने को कहा।

जिला कलेक्टर ने पीबीएम अधीक्षक को सखी वन स्टॉप सेंटर में आवश्यकता अनुसार मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल विवाह एवं माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए और कहा कि परिवहन विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए महिलाओं को उद्यमिता विकास एवं मिलेट प्रोसेसिंग हेतु एक्सपोजर विजिट करवाना सुनिश्चित करें।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने सखी केंद्र एवं महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र में प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की।

महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ अनुराधा सक्सेना ने विभागीय योजनाओं की प्रगति के संबंध में जानकारी दी।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पुखराज साध, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई, उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुस्कान ड्रीम्स और एलटीआई माइंडट्री द्वारा गंगापुर में एसटीईएम हैकाथॉन का आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुस्कान ड्रीम्स और एलटीआई माइंडट्री के संयुक्त प्रयास से गंगापुर में 10 सरकारी स्कूलों के लिए एक एसटीईएम हैकाथॉन का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डिजिटल शाला और इनोवेटर्स ऑफ टुमॉरो प्रोग्राम के तहत आयोजित किया गया, जिसमें 90 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और 10 शिक्षकों ने उनका मार्गदर्शन किया।

इस हैकाथॉन में विद्यार्थियों ने स्क्रैच नामक ब्लॉक-आधारित प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए 34 नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट्स तैयार किए। इन प्रोजेक्ट्स में प्रकाश संश्लेषण, बॉडी मास इंडेक्स, गणित प्रश्नोत्तरी, पृथ्वी-चंद्रमा ज्वार-भाटा सहित अन्य एसटीईएम विषयों पर रचनात्मक प्रस्तुतियां दी गईं। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को समस्या-समाधान, रचनात्मकता और डिजिटल कौशल विकसित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम में एडीपीसी सवाई माधोपुर दिनेश गुप्ता, सीबीईओ गंगापुर विपिन विजयन्, नीति आयोग ब्लॉक फेलो यशस्वी सिंह, सीनियर प्रोग्रामर गंगापुर राहुल गुप्ता एवं एटीएल प्रभारी मॉडल स्कूल गंगापुर मनीष गोयल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुख्य अतिथि दिनेश गुप्ता ने छात्रों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए डिजिटल शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। विपिन विजयन् ने छात्रों को तकनीक आधारित शिक्षा से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुस्कान ड्रीम्स और एलटीआई माइंडट्री सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, शिक्षकों और विद्यार्थियों को नवाचार से जोड़ने और डिजिटल अंतर को कम करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।

राजस्थान लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा 23 मार्च को

झुंझुनू, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा 23 मार्च को राजस्व अधिकारी ग्रेड-11 एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग प्रतियोगी पुनः परीक्षा 2022 (स्वायत्त शासन विभाग) दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक झुंझुनू जिले में मुख्यालय के 39, बगड़ मुख्यालय के 10 व चिड़ावा मुख्यालय के 14 परीक्षा में आयोजित कि जानी प्रस्तावित है जिसमें 21015 परीक्षार्थी भाग लेंगे। उक्त परीक्षा के सम्बन्ध में आयोग द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य ने बताया कि राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम, 2022 के अनुसार परीक्षा के संचालन में किसी भी गत्तिविधि में अनुचित साधन का उपयोग पूर्णतया निषिद्ध एवं कठोर दंड से दंडनीय है। ऐसा किए जाने पर न्यूनतम 10 वर्ष किन्तु आजीवन कारावास तक के दंड एवं न्यूनतम 10 लाख रूपये जो 10 करोड़ रूपये तक हो सकता है, तक जुर्माने का प्रावधान है। ऐसे परीक्षार्थी को भर्ती परीक्षा देने से वर्जित भी किया जाएगा। यह कृत्य संज्ञेय, अजमानतीय एवं गैर-समझौता योग्य अपराध है। इस सम्बन्ध में परीक्षा में अनुचित साधन का उपयोग परिभाषित रहेगा, जिसके तहत परीक्षा में किसी भी प्रकार की सामग्री से सहायता लेना या इलेक्ट्रॉनिक गजट का उपयोग करना, किसी व्यक्ति के स्थान पर छदम रूप से परीक्षा देना, प्रश्न-पत्रा को प्रकट करना, इसका प्रयासया षड्यंत्रा करना, प्रश्न-पत्रा को अवैध रूप से प्राप्त, करने, प्रकट करने या कब्जाने का प्रयास करना, प्रश्न-पत्रा को अवैध रूप से हल करने का प्रयास करना या सहायता मांगना, परीक्षार्थी की अप्राधिकृत रूप से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहायता करना शामिल है।

शेखावाटी हस्तशिल्प मेले में दूसरे दिन हुए विभिन्न कार्यक्रम - अनुज चितलांगिया

सीकर (रॉयल पत्रिका)। जिला उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक विकास सिहाग ने बताया कि शेखावाटी हस्तशिल्प मेले के दूसरे दिन मंगलवार को अनुज चितलांगिया ने अपने गानों से तथा 89.6 एफएम के आरजे सूरज ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां देकर शमा बांधा और दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन आरजे भारती, संदीप माथुर, रूपाली ने किया। नवजीवन व भारती स्कूल के बच्चों ने डांस की प्रस्तुती दी।

महाप्रबंधक सिहाग ने बताया कि 19 मार्च 2025 बुधवार को अरबन हाट में चल रहे शेखावाटी हस्तशिल्प मेले के तीसरे दिन प्रातः 11.30 बजे कार्यशाला एवं औद्योगिक शिविर का आयोजन किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि शेखावाटी हस्तशिल्प मेले में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ ही राज्य सरकार की एमएसएमई पॉलिसी, एक जिला एक उत्पाद नीति, राजस्थान एक्सपोर्ट पॉलिसी, लॉजिस्टिक पॉलिसी, टैक्सटाईल पॉलिसी, इन्वेस्टर अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें अग्रणी जिला प्रबंधक, वाणिज्यिक कर विभाग और राजस्थान पॉल्यूशन बोर्ड के विभागीय अधिकारी जागरूकता शिविर में उपस्थित रहकर अपने-अपने विभागों की विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृति आवेदन संशोधन की तिथि बढ़ी, 31 मार्च तक करें सुधार

बारां, (रॉयल पत्रिका)। समाज कल्याण विभाग के सहायक निदेशक शुभम नागर ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2023-24 सहित पूर्ववर्ती वर्षों (2016-17 से 2022-23) की विभिन्न उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत आवेदन पत्रों में पाई गई आंशिक कमियों, आक्षेपों या रैड फ्लैग के कारण लंबित आवेदनों को निरस्त करने की तिथि बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह तिथि 10 फरवरी 2025 निर्धारित थी, जिसके बाद विद्यार्थियों और शिक्षण संस्थानों के स्तर पर लंबित आवेदनों को स्थाई रूप से निरस्त करने का प्रस्ताव था। विद्यार्थी हित को ध्यान में रखते हुए अब यह समय सीमा बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दी गई है। संबंधित विद्यार्थी और शिक्षण संस्थान इस अंतिम अवसर का लाभ उठाते हुए आवश्यक संशोधन पूर्ण कर लें, क्योंकि 31 मार्च के बाद लंबित आवेदनों को स्थाई रूप से निरस्त कर दिया जाएगा।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का हनुमानगढ़ दौरा

हनुमानगढ़,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बुधवार को हनुमानगढ़ पहुंचे, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी के बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर विकास योजनाओं की समीक्षा की।

इस मौके पर प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, महात्मा गांधी नरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राजीविका, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सॉइल हेल्थ कार्ड, किसान सम्मान निधि सहित जल जीवन मिशन एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। राज्यपाल ने शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। जिले में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु प्रत्येक महीने मॉनिटरिंग करने तथा समीक्षा करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया। उन्होंने औद्योगिक विकास और किसान हितैषी योजनाओं पर भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने जिले में औद्योगिक विकास को गति देने और अधिक रोजगार अवसर सृजित करने की बात कही। पीएम सूर्यघर और पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही, जल संरक्षण और ग्रामीण सड़कों के विकास पर भी जोर दिया।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात

राज्यपाल ने सर्किट हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। इस दौरान क्षेत्रीय विकास को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर जिला कलक्टर काना राम, पुलिस अधीक्षक अरशद अली सहित पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, जनप्रतिनिधि अमित साहू, दयमंती बेनीवाल, देवेंद्र पारीक, विकास गुप्ता, सुशील जोशी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन ने राज्यपाल का अभिनंदन किया।

राजस्थान की सीमा में प्रवेश पर हुआ स्वागत

हनुमानगढ़ के संगरिया में जनप्रतिनिधियों द्वारा राज्यपाल का स्वागत किया गया। इस मौके पर जनप्रतिनिधि प्रमोद डेलू, कैलाश मेघवाल, अमित साहू, पूर्व विधायक गुरदीप शाहपिनी, गुलाब सिंवर ने उनका अभिनंदन किया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अरशद अली, एडीएम उम्मेदी लाल मीना, हनुमानगढ़ एडीएम मांगीलाल, सीईओ ओ.पी. बिश्नोई सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

वज़ीरएक्स ने फंड की सुरक्षा बढ़ाने और यूज़र का भरोसा दोबारा जीतने के लिए बिटगो के साथ साझेदारी की

मुंबई, एजेंसी। वज़ीरएक्स भारत की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज ने आज बिटगो ट्रस्ट कंपनी, इंक. के साथ साझेदारी की घोषणा की है, जो एक प्रमुख विनियमित डिजिटल एसेट कस्टोडियन और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाता है। इस साझेदारी का उद्देश्य वज़ीरएक्स प्लेटफ़ॉर्म पर फंड की सुरक्षा को महत्वपूर्ण तौर पर बढ़ाना है। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य वज़ीरएक्स पर फंड की सुरक्षा को मजबूत करना और पिछले साल 230 मिलियन के सुरक्षा उल्लंघन के बाद यूज़र्स का फिर से भरोसा कायम करना है और इस पहल से वज़ीरएक्स की स्थिति को भारतीय निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद एक्सचेंज के तौर पर और भी मजबूत किया जाएगा।

वज़ीरएक्स जो अबही पुनर्गठन की प्रक्रिया से गुजर रहा है, ने बिटगो ट्रस्ट को अपने विनियमित कस्टोडियन के तौर पर चुना है और बिटगो का डिजिटल एसेट्स की सुरक्षा का शानदार रिकॉर्ड रहा है, जिसने 2013 से अब तक इसे सुरक्षित रखा है और 2017 से भारत पर विशेष ध्यान और प्रतिबद्धता दिखाई है। बिटगो का संस्थान-स्तरीय तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर मल्टी-सिग्नेचर वॉलेट्स मज़बूत नीतियां के साथ आता है, और साथ में इसमें 250 मिलियन तक का बीमा कवरेज भी शामिल है। बिटगो ट्रस्ट 1,100 से अधिक कॉइन और टोकन का समर्थन करता है और मार्केट कैप के हिसाब से टॉप 100 एसेट्स के लिए सबसे बड़ा समर्थन देता है, जो इस क्षेत्र के किसी भी अन्य कस्टोडियन से बहुत ज़्यादा है। इस रणनीतिक साझेदारी से वज़ीरएक्स प्लेटफ़ॉर्म की सुरक्षा और विश्वसनीयता को और मजबूती मिलेगी।

वज़ीरएक्स के संस्थापक निश्चल शेट्टी ने कहा, 卐यूज़र का भरोसा और फंड की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। बिटगो के साथ साझेदारी करके, हम वज़ीरएक्स में फिर से भरोसा कायम करने के लिए एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। उनकी विशेषज्ञता से न केवल फंड की सुरक्षा को मज़बूती मिलेगी, बल्कि लेनदारों को फंड के वितरण की प्रक्रिया भी पारदर्शी और तेज़ होगी।卐 बिटगो ट्रस्ट और वज़ीरएक्स की साझेदारी इस बात को साबित करती है कि वज़ीरएक्स अपने यूज़र्स के विश्वास को फिर से स्थापित करने के लिए फंड की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है और इंडस्ट्री के सबसे उच्चतम सुरक्षा मानकों को लागू कर रहा है।

टाटा मोटर्स ने अप्रैल 2025 से बढ़ाई कमर्शियल वाहनों की कीमतें

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज अपने सभी कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 2त्न तक बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। नई कीमतें 1 अप्रैल 2025 से लागू होंगी।

कंपनी ने बताया कि इनपुट लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लिया गया है। कीमतों में बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से होगी।

फरवरी में भारत के निर्यात में गिरावट

जनवरी के मुकाबले 3 अरब डॉलर की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर बीते महीने निर्यात में 3.02 अरब अमेरिकी डॉलर कमी देखने को मिली है। फरवरी में भारत का कुल निर्यात 71.95 अरब डॉलर का रहा है जो उससे पहले जनवरी में 74.97 अरब डॉलर का रहा था। हालांकि सालाना आधार पर देखा जाए तो उसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फरवरी 2024 में देश का कुल निर्यात 69.74 अरब अमेरिकी डॉलर का रहा था। सालाना आधार पर निर्यात में 2.21 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है।

व्यापार घाटा 4.43 अरब डॉलर का रहा- सोमवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि बीते महीने निर्यात और आयात के बीच अंतर यानी व्यापार घाटा 4.43 अरब डॉलर का रहा है, जो बीते वर्ष की समान अवधि में 6.41 अरब डॉलर का रहा था। हालांकि जनवरी में अंतर 2.67 अरब डालर का था। इस तरह से जनवरी की तुलना में फरवरी में निर्यात और आयात के बीच अंतर बढ़ा है।

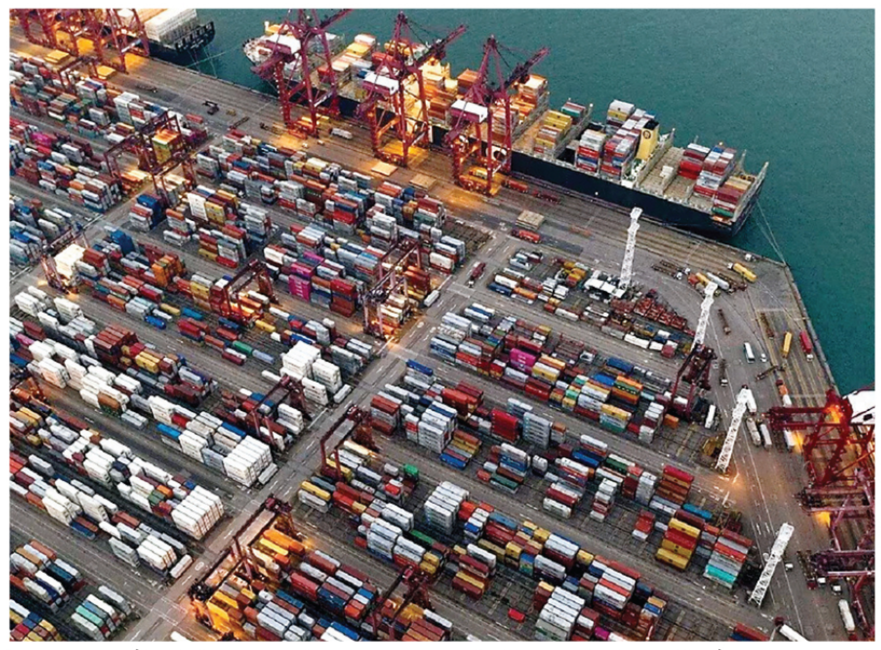

सर्विस सेक्टर की अच्छी रफ्तार

क्षेत्रों के हिसाब से देखा जाए तो फरवरी में सर्विस सेक्टर में अच्छी तेजी देखने को मिली है। सर्विस सेक्टर का निर्यात फरवरी 2024 के 28.33 अरब डॉलर से बढ़कर बीते महीने 35.03 प्रतिशत रहा है। इस अवधि में सर्विस सेक्टर के आयात में भी इजाफा देखने को मिली है, लेकिन वह बेहद कम है। बीते साल की समान अवधि में सर्विस सेक्टर का आयात 15.23 अरब डॉलर का था जो बीते महीने बढ़कर 16.55 अरब डॉलर का रहा है। इसी तरह से अन्य वस्तुओं निर्यात बीते वर्ष की तुलना में 41.41 से गिरकर 36.91 अरब डॉलर का रहा है। निर्यात भी 60.92 से घटकर 50.96 अरब अमेरिकी डॉलर का रहा है।

इन चीजों के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी- मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि बीते महीने इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडीमेट कपड़े, टैक्सटाइल, समुद्री उत्पाद और कॉफी के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली है। कॉफी की मांग यूरोप में बेल्जियम समेत अन्य देशों में बढ़ी है।

चालू वित्तीय वर्ष में इंजीनियर गुड्स का एक्सपोर्ट अव्वल

आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में बीते वित्तीय वर्ष की समान अवधि के मुकाबले अब तक एक्सपोर्ट के मामले में इंजीनियरिंग प्रोडक्ट पहले पायदान पर है। उसके बाद पेट्रोलियम और इलेक्ट्रिक उत्पाद का नंबर आता है। आयात के लिहाज से देखा जाए तो पेट्रोलियम व कच्चा पहले नंबर पर है। उसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स,सोना, मशीनरी और इलेक्ट्रिक उत्पादों का नंबर आता है।

एच एंड एम के फेस्टिवल-रेडी कलेक्शन में एस/एस 2025 में दमकेंगी टायला एफकेए ट्विग्स और कैरोलिन पोलाचेक

नई दिल्ली एजेंसी। एच एंड एम का एस/एस 2025 कलेक्शन स्त्रीत्व को समर्पित है। यह भावनाओं, संवेदनाओं और पहचानों की रोमांचक खोज है। इस नई कैंपेन में प्रेरक फीमेल आइकॉन शामिल हैं, जिनमें मशहूर म्यूज़िशियन टायला , एफकेए ट्विग्स और कैरोलिन पोलाचेक प्रमुख हैं। यह कलेक्शन और कैंपेन दोनों ही एच एंड एम के मजबूत फैशन विजन को दर्शाते हैं। साथ ही म्यूज़िक व फैशन के क्षेत्र में बेहतरीन डिज़ाइन और कोलैबोरेशन को प्रमोट करने की इसकी भूमिका को मजबूत करते हैं। एच एंड एम का एस/एस 2025 कलेक्शन 20 मार्च 2025 से स्टोर्स और ऑनलाइन उपलब्ध होगा। इस कलेक्शन को दो चैप्टर्स में लॉन्च किया जाएगा, जो एक-दूसरे के पूरक हैं, लेकिन अपनी अलग-अलग शैली और नजरिया पेश करते हैं। दोनों मिलकर आधुनिक स्त्रीत्व के बहुआयामी स्वरूप को सम्मान देते हैं। कलेक्शन का पहला हिस्सा एक जादुई बोहेमियन एहसास जगाता है। यह स्प्रिंग स्टाइल को एक नया रूप देता है। फेस्टिवल लुक से लेकर सिटी फैशन तक यह कलेक्शन फैशन इतिहास के आइकॉनिक स्टाइल्स को ट्रिब्यूट देता है, जैसे कि ग्लैम रॉक संगीतकारों की फ्लोई ब्लाउज़ और न्यू रोमांटिक स्टाइलिंग की फ्लूइडिटी और एंड्रोगिनी। एच एंड एम की डिज़ाइन डायरेक्टर एलियाना मास्गालोस कहती हैं कि इस सीज़न में, हमने महिलाओं के जीवन के विभिन्न चरणों और पलों से प्रेरणा ली और नारीत्व की समृद्धि को सेलिब्रेट किया। हमने ऐसे असाधारण पीसेस ऑफर करने की कोशिश की, जो एनर्जी और लाइट लाएँ। इस कलेक्शन में हमने सुंदर बोहेमिया, रॉक आइकॉन्स और फेस्टिवल फ्रीडम को एक्सप्लोर करना चाहा। यह मूड एक नॉस्टैल्जिया है, जो अतीत और वर्तमान को आकर्षक तरीकों से मिलाता है। हेरलूम-स्टाइल पीसेस को एक शहरी और परिष्कृत अंदाज़ में अपडेट किया गया है। इसमें 70ह्य, 90ह्य और आज के समय, तीनों का मेल है। यह मूड बेपरवाह और फिर भी शार्पली कॉन्फिडेंट है। हर पीस एक एथेरियल और सेंसुअल बोहेमिया को दर्शाता है। यह कलेक्शन क्लासिक रॉक 'एन' रोल स्टेपल्स से भरपूर है–वॉल्युमिनस शीयर ब्लाउज़ेस से लेकर लेस-अप शर्टिंग और ट्यूनिक्स तक।

ब्राइट आउटडोर मीडिया ने बढ़ाया नेटवर्क

मुंबई, एजेंसी। ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड जो भारत के आउट-ऑफ-होम विज्ञापन क्षेत्र में एक प्रमुख नाम है, ने अपने संयुक्त उद्यम भागीदार के साथ मिलकर मुंबई में तीन नए डिजिटल एलईडी बिलबोर्ड लॉन्च किए हैं। इन नए इंस्टालेशन के साथ कुल 1,840 वर्ग फुट का नया आउट ऑफ होम विज्ञापन क्षेत्र जोड़ा गया है।

कल्याण रेलवे स्टेशन वेस्ट- 12 एफटीएक्स 8एफटी की एलईडी स्क्रीन अब मुंबई क्षेत्र के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक पर लगाई गई है। यह स्क्रीन प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए आदर्श स्थान पर स्थित है, जिससे ब्रांडों को एक विविध दर्शक वर्ग तक पहुंचने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

बांद्रा रेलवे स्टेशन वेस्ट

एक और 16एफटीएक्स 9एफटी की स्क्रीन बांद्रा स्टेशन वेस्ट पर स्थापित की गई है। यह स्थान स्थानीय निवासियों, व्यावसायिक यात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे यह उपनगरीय क्षेत्र में प्रमुख विज्ञापन स्थान बन जाता है।

ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे- एक बड़ा कदम उठाते हुए, 40एफटीएक्स 40एफटी की विशाल एलईडी स्क्रीन ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर लगाई गई है। यह स्क्रीन विशेष रूप से फोर्ट, दादर और मुलुंड से ठाणे की ओर जाने वाले शाम के यात्रियों को ध्यान में रखकर लगाई गई है, जिससे एक व्यापक और विविध दर्शक वर्ग तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। यह विस्तार डिजिटल आउट-ऑफ-होम विज्ञापन में ब्राइट आउटडोर की नेतृत्वकारी स्थिति को और मजबूत करता है। मुंबई में तीन नई डिजिटल एलईडी बिलबोर्ड्स के लॉन्च के साथ, अब कंपनी के पास शहरभर में 35 हाई-इंपैक्ट एलईडी स्क्रीन हैं। यह महत्वपूर्ण वृद्धि न केवल इसके विज्ञापन पोर्टफोलियो को विस्तृत करती है बल्कि गतिशील और पर्यावरण-अनुकूल विज्ञापन में नए मानक भी स्थापित करती है। एलईडी स्क्रीन जीवंत दृश्य प्रदान करती हैं और लचीले, रीयल-टाइम कंटेंट अपडेट

सेंसोडाइन ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 2025 कैंपेन की शुरुआत की

जबलपुर। सेंसोडाइन जो हेलियोन (पहले ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) का एक जानामाना ओरल केयर ब्रांड है, उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया। यह भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश रही। इस पहल में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए सेंसोडाइन ने अपने नए 20 रूपये के छोटे टूथपेस्ट पैक बाँटे, जो सेंसिटिविटी से सुरक्षा अब कम दाम में उपलब्ध कराएगा। यह रिकॉर्ड सेंसोडाइन के वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरुआत भी करता है, जिसका लक्ष्य लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए जागरूक करना है। सेंसोडाइन (सेंसोडाइन), पिछले 10 सालों से भी ज्यादा समय से लोगों को दांतों की सेंसिटिविटी पहचानने और सही समय पर उसके लिए कदम लेने के लिए जागरूक कर रहा है। इस दौरान, ब्रांड ने पूरे भारत में चिल टेस्ट किए हैं, जिससे लाखों लोगों को उनकी समस्या को समझ कर उसके लिए कदम लेने और फिर से अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ़ उठाने में मदद मिली है। यह पहल लोगों की जीवन की खुशहाली लौटने की दिशा में एक बड़ा कदम है। किशले सेठ, कैटेगरी लीड, ओरल हेल्थ, हेलियोन इंडिया सबकॉन्टिनेंट ने बताया कि, सेंसोडाइन में हमारा लक्ष्य लोगों को उनकी ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। महाकुंभ 2025 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह हजारों लोगों तक पहुंचने, जागरूकता बढ़ाने और हर दिन बेहतर ओरल हेल्थ को प्रोत्साहित करने की हमारी कोशिशों का हिस्सा है। हम इस पहल को आगे बढ़ा रहे हैं और वर्ल्ड ओरल हेल्थ मंथ के दौरान ओरल हेल्थ की शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, फ्री डिजिटल डेंटल चेक-अप की सुविधा भी दे रहे हैं। ओरल केयर की शिक्षा, जागरूकता और सही इलाज सभी के लिए सुलभ करने की इन लगातार कोशिशों के जरिए सेंसोडाइन भारत में ओरल हेल्थ को बेहतर बनाने में लगा है।

टाटा ने शुरू कर दिया एयर इंडिया का कायाकल्प

दुनिया को दिखाई पहले रेट्रोफिटेड विमान की झलक

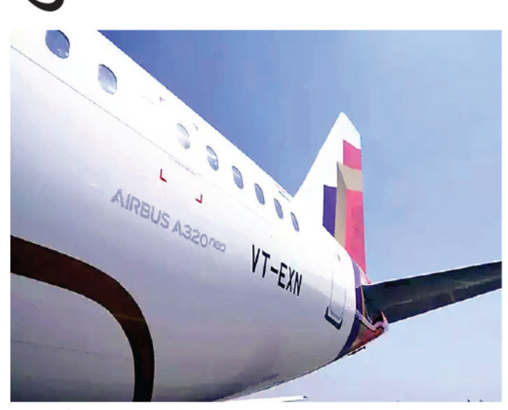

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप का हिस्सा बन चुकी एयर इंडिया ने आज अपने पहले रेट्रोफिटेड नैरो बॉडी एयरक्राफ्ट वीटी-इएक्सएन की झलक दुनिया के सामने पेश की। एयरलाइन ने इसे अपने बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। टाटा ग्रुप ने 2022 में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था और इस प्रक्रिया में उसे 27 नैरो बॉडी विमान मिले थे। यह ए320एनइओ विमान उन्हीं में शामिल है। इस विमान को पूरी तरह से बदला गया है। इसमें नया केबिन और आधुनिक सुविधाएं हैं। विमानों की रेट्रोफिटिंग का काम पिछले साल शुरू हुआ था। यह एयर इंडिया के अपने विमानों को बेहतर बनाने के प्रयासों का हिस्सा है।

टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया के विमानों की रेट्रोफिटिंग के लिए 40 करोड़ का एक कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत विमानों का कायाकल्प किया जा रहा है। विमान में नई सीटें, कालीन और पर्दे लगाए गए हैं। साथ ही केबिन को भी नया लुक दिया गया है। एयर इंडिया ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि विमान में तीन श्रेणी की सीटें हैं। इनमें बिजनस, प्रीमियम इकॉनमी और इकॉनमी शामिल हैं। ये सीटें यात्रियों को आरामदायक और आधुनिक उड़ान का अनुभव कराने के लिए बनाई गई हैं।

क्या है प्लान

वीटी-इएक्सएन उन 27 ए320एनइओ विमानों में से पहला है जिसे बदला गया है। सभी 27 विमानों को 2025 की तीसरी तिमाही तक बदलने की योजना है। ये विमान घरेलू और छोटी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर चलेंगे। इनके साथ ही 14 नए ए320एनइओ विमान भी होंगे जिनमें ऐसी ही सुविधाएं होंगी। विमानों के रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम में 3,500 से ज्यादा इकॉनमी क्लास की सीटें, 600 से ज्यादा प्रीमियम इकॉनमी की सीटें और 200 बिजनस क्लास की सीटें लगाई जाएंगी। बदले हुए विमानों में पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होल्डर, यूएसबी पोर्ट और बेहतर आरामदायक माहौल होगा। एयरलाइन ने कहा कि नए कालीन, पर्दे और केबिन पैनल एयर इंडिया की नई पहचान को दिखाते हैं। यह बदलाव सिर्फ नैरो बॉडी वाले विमानों तक ही सीमित नहीं है। एयरलाइन अपने बड़े विमानों को भी बदलने की योजना बना रही है। 40 क्र787 और क्र777 विमानों को भी नया रूप दिया जाएगा। पहला क्र787 विमान अगले महीने बदलने के लिए भेजा जाएगा।

यूजेनिक्स हेयर साइंसेज हेयर ट्रांसप्लांट में नई ऊंचाइयों को छूता नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक हेयर ट्रांसप्लांट उद्योग तेजी से वृद्धि कर रहा है, जहां यह बाजार 2032 तक यूएसडी 141.88 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 2018 से 2032 तक 25.2 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की जाएगी। इस बढ़ोतरी का प्रमुख कारण बढ़ती जागरूकता, तकनीकी प्रगति और सेलिब्रिटीज व एथलीट्स सहित हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के बीच कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं की बढ़ती मांग है। भारत में भी हेयर ट्रांसप्लांट क्षेत्र में तेजी से विस्तार हो रहा है, और यूजेनिक्स हेयर साइंसेज इस बदलाव का नेतृत्व कर रहा है। डॉ. प्रदीप सेठी और डॉ. अरिका बंसल द्वारा स्थापित इस प्रतिष्ठित संस्थान ने अब तक 16,000 से अधिक हेयर ट्रांसप्लांट प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं, जिसमें 1,800 से अधिक ग्रेड 6/7 गंजेपन के मामले शामिल हैं। अपने उच्च सफलता दर के कारण यूजेनिक्स एक भरोसेमंद और स्वाभाविक दिखने वाले समाधान की तलाश करने वाले लोगों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन गया है। डॉ. सेठी और डॉ. बंसल ने हेयर ट्रांसप्लांट क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए डीएचटी तकनीक विकसित की है, जिसने उद्योग में नए मानक स्थापित किए हैं।

उनकी इस नवाचार ने बॉलीवुड सितारों, क्रिकेटरों और कॉर्पोरेट लीडर्स सहित कई हाई-प्रोफाइल क्लाइंट्स को आकर्षित किया है। यूजेनिक्स में हेयर रिस्टोरेशन कराने वाले प्रमुख व्यक्तियों में बॉलीवुड निर्माता बोनी कपूर, क्रिकेटर मोहम्मद शमी, रवि शास्त्री, मोहम्मद अज़हरुद्दीन और गायक अनूप जलोटा शामिल हैं। यूजेनिक्स की सफलता का सबसे बड़ा कारण इसकी गुणवत्ता और विशेषज्ञता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता है। यह भारत के गिने-चुने क्लीनिक्स में से एक है जो केवल हेयर ट्रांसप्लांट पर केंद्रित है, जिससे मरीजों को सर्वोत्तम उपचार और देखभाल सुनिश्चित की जाती है। इसकी विश्वस्तरीय सुविधाएं, अत्याधुनिक प्रक्रियाएं और व्यक्तिगत देखभाल इसे अंतरराष्ट्रीय मरीजों,लिस्ट सेलिब्रिटीज और खेल जगत की प्रसिद्ध हस्तियों के लिए पहली पसंद बनाती हैं।

आरोही के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना समावेशी विकास के लिए गोदरेज कैपिटल की प्रतिबद्धता

मुंबई एजेंसी। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की वित्तीय सेवा शाखा गोदरेज कैपिटल ने आरोही नामक एक पहल शुरू की है, जो महिलाओं को ऋण देने से परे सशक्त बनाने के लिए है। आरोही वित्तीय पहुँच का विस्तार करके, सामुदायिक पहलों को मजबूत करके और महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ाकर समावेशी विकास को बढ़ावा देगी। यह ग्राहकों के रूप में महिलाओं को सशक्त बनाने, चैनल भागीदारों के साथ सहयोग करने, समावेशी भर्ती को बढ़ावा देने और कल्याण और प्रतिनिधित्व को संबोधित करने पर केंद्रित है।

अगले पांच सालों में 100,000 महिलाओं पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लक्ष्य के साथ, आरोही का लक्ष्य सार्थक विकास को बढ़ावा देना है। इस विस्तार को चिह्नित करने के लिए, गोदरेज कैपिटल ने एक फिल्म लॉन्च की है जो महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करती है और उन्हें संबोधित करने के लिए एक संवाद खोलती है। बिना किसी स्क्रिप्ट वाली कहानियों के माध्यम से, फिल्म महिलाओं को उनके करियर और वित्तीय निर्णयों में सामना करने वाले पूर्वाग्रहों को उजागर करती है, उन लोगों को दिखाती है जिन्होंने मानदंडों को चुनौती दी है, अपेक्षाओं को चुनौती दी है और अपनी शर्तों पर सफलता को फिर से परिभाषित किया है।

गोदरेज कैपिटल के एमडी और सीईओ मनीष शाह ने कहा, आरोही ऋण को सक्षम करने से कहीं अधिक है; यह एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र है जहाँ महिलाएँ नेता और परिवर्तनकर्ता के रूप में उभर सकती हैं।

एलन मस्क की स्टारलिंक को देना होगा स्पेक्ट्रम टैक्स !

नई दिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक भारत में आने के लिए तैयार है। कंपनी ने इंटरनेट सर्विस देने के लिए जियो और एयरटेल के साथ हाथ मिलाया है। अगर आप स्टारलिंक की इंटरनेट सर्विस का इंतजार कर रहे हैं तो इसके लिए आपको ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। अगर ऐसा होता है तो इसका बड़ा कारण स्पेक्ट्रम टैक्स होगा। दरअसल, स्टारलिंक को भारत में स्पेक्ट्रम टैक्स देना पड़ सकता है। कुछ साल पहले रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया जैसी कंपनियों के लिए यह टैक्स हटा दिया गया था। सूत्रों का कहना है कि अगर यह टैक्स लगाया जाता है तो स्टारलिंक की सर्विस भारत में महंगी हो जाएगी। यह अमेरिकी सैटेलाइट कंपनी के लिए एक और मुश्किल होगी। कंपनी नियमों पर बातचीत कर रही है।

कितना देना होगा टैक्स

सूत्रों ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि स्टारलिंक को टेलीकॉम की एयरवेव्स मिलेंगी। यह आवंटन नए टेलीकॉम कानून के हिसाब से होगा, जो दिसंबर 2023 में पास हुआ था। इसके लिए स्टारलिंक को अपने कमाई का लगभग 3 प्रतिशत स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज देना होगा।

ट्राई कर रही काम

सैटेलाइट स्पेक्ट्रम की कीमत, उसकी अवधि और टैक्स से जुड़े मामलों पर ट्राई (टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि ट्राई इस नतीजे पर पहुंची है कि सैटेलाइट कंपनियों को एसयूसी देना चाहिए। क्योंकि उन्हें स्पेक्ट्रम एक तय कीमत पर मिलेगा। एक सूत्र ने यह भी कहा कि ट्राई में बातचीत के बाद यह तय हुआ है कि सैटेलाइट कंपनियों को एसयूसी देना होगा। क्योंकि उन्हें स्पेक्ट्रम सरकार देगी, नीलामी से नहीं। ट्राई जल्द ही सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के आवंटन पर अपनी राय सरकार को देगी। इसके बाद डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम इस पर विचार करेगा। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम को अगर कुछ पूछना होगा तो वह ट्राई से पूछेगा।

इस बात से डरते हैं शाहरुख और दीपिका पादुकोण

हम सभी को किसी ना किसी बात से डर लगता है। लेकिन कुछ लोगों का डर इतना बढ़ जाता है कि वो फोबिया में बदल जाता है। बॉलीवुड के कलाकारों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। जानिए, बॉलीवुड एक्टर्स, एक्ट्रेस को किस बात से डर लगता है? किस बात को लेकर फोबिया है?

हाल ही अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। जिस पर उन्होंने लिखा कि वह अपने डर का सामना करने के लिए जा रही हैं। फैंस को अपने डर के बारे में अभिनेत्री ने बताया। ये फोटो बीच समंदर की थीं। इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि शायद तृप्ति को समंदर में जाने से डर लगता है। ऐसे में वह इस डर को दूर करना चाहती हैं। कई और कलाकार भी हैं जिनको किसी ना किसी बात से डर लगता है। जानिए, ऐसे ही कुछ बॉलीवुड हीरो, हीरोइन के डर, फोबिया के बारे में।

शाहरुख खान

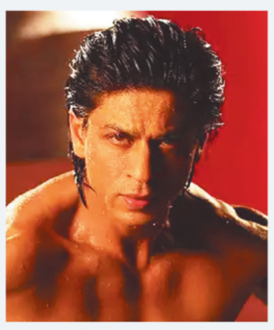

शाहरुख खान ने कई इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया है कि उन्हें घुड़सवारी करने से डर लगता है। वह 'करण-अर्जुन' फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिर गए थे, जिससे उन्हें चोट आई। इसी तरह फिल्म 'अशोक' के दौरान भी शाहरुख खान को घुड़सवारी करने में काफी समस्या आई। इस वजह से वह घोड़े वाले सीन फिल्मों में खुद नहीं करते हैं, इसके लिए शाहरुख खान का बॉडी डबल इस्तेमाल किया जाता है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट को अंधेरे से डर लगता है। वह अंधेरे में घबरा जाती हैं। वह रात को जब सोती हैं तो डिम लाइट जलाकर रखती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आलिया को बचपन में बहन ने एक कमरे में बंद कर दिया था, इस कारण उनके मन में अंधेरे को लेकर डर पैदा हो गया।

रणबीर कपूर

रणबीर कपूर को किसी बड़ी चीज से डर नहीं लगता है। वह तो कॉकरोच से डरते हैं। अगर कहीं कॉकरोच दिख जाए तो रणबीर कपूर वहां से दूर हो जाते हैं। रणबीर कपूर ऐसे अकेले नहीं हैं, जिनको कॉकरोच से डर लगता है, कई लोगों के मन में ऐसा डर बसा होता है, छोटे जीव-जंतु देखकर उनकी चींख निकल जाती है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण को नेचर से बहुत प्यार है, वह नेचर के बीच रहना पसंद करती हैं। लेकिन उनको सांप से डर लगता है। इस वजह से वह फिल्मों में ऐसे सीन्स भी नहीं करती हैं, जिसमें सांप दिखाए जाते हों।

आमिर खान

आमिर खान बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार हैं। एक बार उन्हें मौत का भय महसूस हुआ, वह इस बात से डरने लगे, यह एक तरह का फोबिया होता है। इस वजह से उन्होंने फिल्म 'दंगल' की शूटिंग से पांच महीने का ब्रेक लिया। आमिर खान ने निर्देशक नितेश तिवारी को यहां तक कहा था कि अगर उनको कुछ हो गया तो वह फिल्म के लिए नया एक्टर ले लें। इसके लिए आमिर ने कुछ नाम भी निर्देशक को सुझा दिए थे।

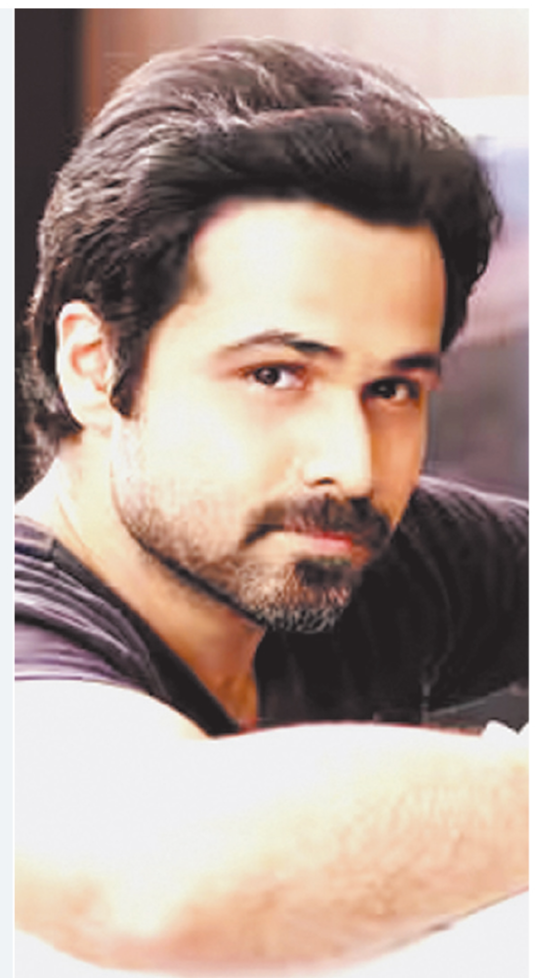

शूटिंग के दौरान बेरुखा रवैया दिखाने पर इमरान हाशमी पर भड़का पाकिस्तानी अभिनेता

बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके पाकिस्तानी अभिनेता जावेद शेख ने अभिनेता इमरान हाशमी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया है। जावेद शेख का कहना है कि इमरान हाशमी के साथ उनके अनुभव अच्छे नहीं रहे और इमरान हाशमी ने फिल्म के सेट पर उनसे अच्छे से व्यवहार नहीं किया।

एंटरटेनमेंट के एक यूट्यूब वीडियो में जावेद शेख ने 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' के दौरान के अपने अनुभव और इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इमरान हाशमी के साथ उनका शूटिंग करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, फिल्म के निर्माता महेश भट्ट थे और उन्होंने फिल्म का निर्देशन करने के लिए एक नए निर्देशक कुणाल को शामिल किया था। जब मैंने फिल्म साइन की तो उन्होंने मुझे फिल्म की पूरी कहानी और सब कुछ समझाया था। हालांकि, मुझे तब तक इमरान हाशमी से मिलने का मौका नहीं मिला था।

इमरान हाशमी ने अच्छे से हाथ तक नहीं मिलाया

पाकिस्तानी अभिनेता ने आगे बताया कि बाद में हमारी मुलाकात साउथ अफ्रीका के न्यूलैंड्स क्रिकेट स्टेडियम में हुई, लेकिन इमरान हाशमी का व्यवहार अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, मैंने इमरान हाशमी से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन उनकी तरफ से बहुत ही बेरुखा व्यवहार दिखा। उन्होंने बहुत ही बेरुखे तरीके से हाथ मिलाया और अपना मुंह तक दूसरी ओर मोड़ लिया, जिससे मुझे वाकई में काफी गुस्सा आई।

पति जैकी भगनानी को लेकर रकुल प्रीत सिंह का चौंकाने वाला खुलासा

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने कुछ सालों तक रिलेशनशिप में रहने के बाद 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी के बंधन में बंध गए। इस जोड़े ने समुद्र तट के किनारे हुई इस शादी में अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ खुशी मनाई। वहीं हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रकुल ने जैकी को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया। बॉलीवुड के पसंदीदा जोड़ों में से एक, रकुल और जैकी 2021 से साथ हैं। रकुल ने शादी के बाद सोशल मीडिया पर अपने वेकेशन की कई तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं, जिनमें उन दोनों की लव बॉन्डिंग साफ दिखाई देती है। अब रकुल ने अपने पति जैकी भगनानी को लेकर ऐसी बात कही, जिसे सुनने के बाद आप भी हैरान हो जाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल ने एक इंटरव्यू में कहा, हम दोनों अपने आप में खुश हैं और साथ में और भी खुश रहते हैं। मुझे उन्हें बार-बार फोन करने की जरूरत नहीं पड़ती। रकुल ने आगे यह भी बताया कि शादी के बाद उनके और जैकी के रिश्ते में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। उन्होंने डेटिंग शुरू करते वक्त ही इस बारे में बात कर ली थी। उनका रिश्ता खुशी पर टिका है, ना कि किसी कमी को पूरा करने पर। रकुल ने कहा कि वे दोनों अपने काम पर ध्यान देते हैं और साथ में समय बिताते वक्त काम को भूलने की कोशिश करते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी गहरी दोस्ती है, जिसमें वे सब कुछ एक-दूसरे से साझा कर सकते हैं। रकुल और जैकी की शादी में शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा, वरुण धवन, नताशा दलाल, अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर जैसे कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए।

शादी के बाद रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी शादी की तैयारियों और जश्न के खूबसूरत पल दिखे। इसमें हल्दी, मेहंदी, संगीत और जयमाला जैसे लम्हें शामिल थे।

काम की बात करें तो रकुल, अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित दे दे प्यार दे के सीक्वल में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कथित तौर पर पंजाब, मुंबई और लंदन में की गई है। फिल्म में जिमी शेरगिल भी अहम किरदार में नजर आएंगे। दे दे प्यार दे 2, 14 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पुष्पा 3ः द रैम्पेज के लिए करना होगा 3 साल इंतजार, 2028 में होगा प्रदर्शन

वर्ष 2024 दिसम्बर 5 को प्रदर्शित हुई निर्देशक सुकुमार की अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2ः द रूल भारतीय सिने इतिहास की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स फिल्मों में शामिल हुई थी। इस फिल्म के अन्त में इसके तीसरे भाग की घोषणा की गई थी। अब इस फिल्म के निर्माताओं ने पुष्पा फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग पुष्पा 3ः द रैम्पेज के प्रदर्शन तिथि की घोषणा की है। यह फिल्म वर्ष 2028 में प्रदर्शित होगी। ज्ञातव्य है कि पुष्पा 2 - द रूल ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल करते हुए करीब 1,750 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स में से एक बन गई। अब, निर्माता रविशंकर ने पुष्टि की है कि पुष्पा 3 साल 2028 में रिलीज होगी। इस देरी के पीछे मुख्य वजह अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्में हैं। पहले उन्हें निर्देशक एटली के साथ एक फिल्म पूरी करनी है, फिर वह त्रिविक्रम संग एक और प्रोजेक्ट में काम करेंगे। इन दोनों फिल्मों के अगले दो सालों में पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, पुष्पा के निर्देशक सुकुमार भी पहले सुपरस्टार राम चरण के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम करेंगे और उसके बाद पुष्पा 3 पर फोकस करेंगे। अल्लू अर्जुन की पुष्पा फ्रैंचाइज़ी हर फिल्म के साथ एक नया मुकाम हासिल कर रही है। हाल ही में फिल्म के डायलॉग राइटर श्रीकांत विसा ने खुलासा किया कि पुष्पा 3 अपने पिछले भाग पुष्पा 2 की तुलना में और भी बड़ी, भव्य और दमदार होने वाली है। इस बार फिल्म में दर्शकों को नए किरदारों के साथ पहले से भी ज्यादा शानदार एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा। मेकर्स फिल्म के विलेन के लिए एक बड़े बॉलीवुड स्टार को कास्ट करने की योजना बना रहे हैं, जिससे फिल्म को और भी बड़ा बनाया जा सके। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि 2021 में रिलीज़ हुई पुष्पाः द राइज़ ने वर्ल्डवाइड 350 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी और यह साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई थी। इसके बाद, पुष्पा 2 - द रूल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए जबरदस्त ओपनिंग हासिल की और अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई।

करण के साथ कोर्ट मैरिज करेंगी

तेजस्वी प्रकाश

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की जोड़ी फैंस को बेहद पसंद है। हाल ही में तेजस्वी ने अपने शादी के प्लान पर बात की और बताया कि वे और करण किस तरह शादी करना चाहेंगे। अभिनेत्री हिना खान हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ सेलिब्रिटी मास्टशेफ में पहुंचीं। दोनों स्पेशल गेस्ट के रूप में अपनी शादी का मेन्यू तय करने शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागी सेलेब्स को टास्क दिए। हिना और रॉकी ने प्रतिभागियों को लड़की वाले और लड़केवाले दो ग्रुप में बांट दिया। इस शो में फराह खान ने तेजस्वी से उनकी शादी का प्लान पूछा।

बोलीं- कोर्ट मैरिज से दिक्कत नहीं

शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में फराह खान ने तेजस्वी से करण कुंद्रा के साथ उनकी शादी का प्लान जनना चाहा। इस पर तेजस्वी ने खुलासा किया कि वे सादगी के साथ शादी करना चाहेंगी। करण पंजाबी हैं और तेजस्वी महाराष्ट्रीयन।

ऐसे में फराह ने पूछा कि उनकी शादी किस तरह की होगी? इस सवाल के जवाब में तेजस्वी ने खुलासा किया, मुझे नॉर्मल कोर्ट मैरिज से कोई दिक्कत नहीं है। हम लोग फिर घूमेंगे, फिरेंगे ऐश करेंगे।

बिग बॉस 15 में हुईं आंखें चार

इस दौरान तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की पहली मुलाकात का भी जिक्र हुआ। हिना खान ने उनकी लव स्टोरी के बारे में सवाल किया। तेजस्वी ने बताया कि वे और करण एक रियलिटी शो में मिले थे। उन्होंने कहा, एक दिवाली सीक्वेंस था। हम डांस कर रहे थे और हैप्पी दिवाली की शुभकामना देने के लिए एक-दूसरे की ओर बढ़े। और तभी अचानक कुछ हुआ। बता दें कि तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा को बिग बॉस 15 के दौरान एक-दूजे से प्यार हुआ।

ये प्रतिभागी हैं शो का हिस्सा

शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में विकास खन्ना, फराह खान और रणवीर बरार जज हैं। कुकिंग रियलिटी शो का प्रीमियर 25 जनवरी, 2025 को हुआ था। तब से यह दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है।

वर्तमान में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के प्रतियोगी अर्चना गौतम, गौरव खन्ना, तेजस्वी प्रकाश, निक्की तंबोली, राजीव अदातिया, फैजल शेख और उषा नाडकर्णी हैं। जल्द ही इस शो का ग्रैंड फिनाले होने वाला है।

कार्तिक की लव आज कल र्क असफलता पर इम्तियाज ने की खुलकर बात

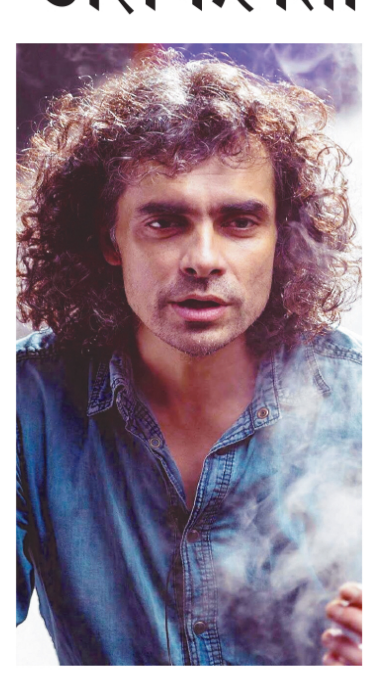

इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल (2009) में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद 2020 में इम्तियाज ने इसी नाम से जब एक और फिल्म बनाई तो यह बुरी तरह नाकाम रही। सीक्वल फइल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। हाल ही में इम्तियाज ने इस फिल्म की असफलता पर खुलकर बात की और जिम्मेदारी खुद पर ली।

इम्तियाज ने बताई फिल्म के न चलने की वजहः यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि लव आज कल 2 में उन्होंने कई गलतियां कीं। उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में बहुत कुछ डालने की कोशिश की, जिससे यह भारी हो गई। फिल्म की सहजता खो गई। यह इतनी जटिल हो गई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है।

कास्टिंग का किया बचावः फिल्म की नाकामी के बाद सारा अली खान को उनके अभिनय के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था। इस बातचीत इम्तियाज ने साफ कहा कि असफलता का कार कास्टिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, यह कास्टिंग व वजह से नहीं हुआ। सीक्वल बनाते वक्त एक मजबू वजह होनी चाहिए। मेरे पास वजह थी, लेकिन मैं उ ठीक से बता नहीं पाया। फिल्म की पब्लिसिटी में यह बात सामने नहीं आई।

क्या अब भविष्य में सीक्वल नहीं बनाएंगे जब उनसे पूछा गया कि क्या लव आज कल 2 व नाकामी ने उन्हें सीक्वल बनाने से डरा दिया? इस इम्तियाज ने जवाब दिया, हां, कुछ हद तक। मेरे पा लव आज कल 2 के लिए नई कहानी थी फिर फिल्म नहीं चली। तो जब तक बहुत जरूरी न मैं सीक्वल नहीं बनाना चाहता।

लेकिन कभी न कहो कभी- रॉकस्टार 2 बना अच्छा हो सकता है। इम्तियाज ने यह भी साफ कि कि वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर सीक्वल पर विच कर सकते हैं।

साभार एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की फजीहत पर फजीहत...

न्यूजीलैंड ने पहले 61 और अब 79 गेंदों में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की फजीहत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. पहले अपनी मेजबानी में हुई आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में उसे शर्मनाक हार झेलनी पड़ी थी. टूर्नामेंट में पाकिस्तानी टीम बगैर कोई मैच जीते ग्रुप स्टेज से ही 5 दिन में बाहर हो गई थी. अब पाकिस्तानी टीम न्यूजीलैंड दौरे पर है, जहां वो 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है. इस दौरे के लिए मोहम्मद रिजवान की जगह सलमान अली आगा को कप्तानी सौंपी गई. मगर फिर भी पाकिस्तानी टीम की फजीहत पर फजीहत ही हो रही है.

न्यूजीलैंड टीम सीरीज में 2-0 से आगे: सीरीज के पहले टी20 मैच में पाकिस्तानी टीम 91 रनों पर ढेर हो गई थी.

इसके बाद कीवी टीम ने यह मैच 61 गेंदों में ही जीत लिया था. जबकि सीरीज का दूसरा टी20 मुकाबला मंगलवार (18 मार्च) को डुनेडिन में खेला गया.

बारिश से बाधित इस मैच को 15-15 ओवर का किया गया था. ऐसे में पाकिस्तानी टीम ने 9 विकेट पर 135 रन बनाए. मगर वो यह मैच नहीं बचा सकी.

टिम सेफर्ट की ताबड़तोड़ पारी से जीती कीवी टीम

कीवी टीम ने सीरीज का यह दूसरा मुकाबला 79 गेंदों में 5 विकेट से अपने नाम कर लिया. न्यूजीलैंड ने 13.1 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 137 रन जड़ दिए. इस तरह कीवी टीम इस सीरीज में 2-0 से आगे हो गई है.

इस दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान की ओर से सलमान ने कप्तानी पारी खेली और 28 गेंदों में 46 रन जड़े. जबकि शादाब खान ने 26 और शाहीन आफरीदी ने 22 रन बनाए. दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम के लिए टिम सेफर्ट ने 22 गेंदों में 45 रन ठोके. उन्हें ही प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया. जबकि फिन एलन ने 16 गेंदों पर 38 रन बनाए.

पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटर जुनैद जफर खान की मैच में मौत

कराची, एजेंसी। क्रिकेट जगत को सन्न कर देने वाली खबर आई है. क्रिकेट मैच खेलने के दौरान एक पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटर की मौत हो गई है. यह घटना ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में हुई.

दुनिया को अलविदा कहने वाले पाकिस्तान मूल के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर जुनैद जफर खान की उम्र 40 साल से ज्यादा थी. दरअसल, जुनैद क्लब स्तर के खिलाड़ी थे. शनिवार को जब वो मैच खेल रहे थे, तब तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक था. इतनी भीषण गर्मी में जुनैद ने करीब 40 ओवर फील्डिंग की. मगर मैच के दौरान ही शाम 4 बजे के करीब उनकी तबीयत खराब हुई और वह बेहोश होकर मैदान पर गिर पड़े.

जिसके बाद तुरंत एंबुलेंस बुलाई गई, मगर उन्हें बचाया नहीं जा सका. जुनैद ओल्ड कॉनकॉर्डियंस क्रिकेट क्लब के लिए मैच खेल रहे थे. यह मुकाबला एडिलेड के कॉनकॉर्डिया कॉलेज में प्रिंस अल्फ्रेड ओल्ड कॉलेजियंस के खिलाफ हुआ. मैच में जुनैद ने करीब 7 ओवर बल्लेबाजी भी थी. इस दौरान वो 16 रन बनाकर नाबाद रहे थे.

मेरे बारे में धारणायें बनाई गई, टाइपकास्ट किया गया लेकिन मुझे अपनी ताकत पता थी: श्रेयस

नई दिल्ली, एजेंसी। उन्हें तथाकथित तकनीकी कमी को लेकर बनी धारणाओं से लड़ना पड़ा, उन्हें टाइपकास्ट किया गया और विश्व कप नायक बनने के कुछ महीनों के भीतर ही उनका अनुबंध रद्द कर दिया गया लेकिन श्रेयस अय्यर इन सबके बावजूद अडिग रहे और अपनी ईमानदारी और सुलझे हुए दिमाग पर भरोसा करके आगे बढ़े। इसका फल भी उन्हें मीठा ही मिला। पिछले कुछ समय में वह चौथे नंबर पर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बने और कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ दिन पहले चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत के बाद उन्हें 'मौन नायक करार दिया। शॉर्ट गेंद के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर पूछे जाने पर श्रेयस ने इंटरव्यू में कहा, 'शायद ऐसी धारणा बनाई गई थी या मुझे टाइपकास्ट किया गया। लेकिन मुझे हमेशा से अपनी ताकत, क्षमता पता थी और खुद पर भरोसा था। पिछले 8 वनडे में उन्होंने चौथे नंबर पर 53 की औसत से रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'खेल बदलता रहता है लिहाजा खिलाड़ी को लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं सकारात्मक सोच के साथ खेल सका और अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखा। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान उनकी कमर में चोट लगी और फिर उन्हें केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ा चूंकि उस समय वह अपनी तत्कालीन आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अभ्यास कर रहे थे जबकि उन्हें रणजी ट्रॉफी खेलना था।

श्रेयस की कप्तानी में चयक्रने आईपीएल जीता और फिर उन्होंने भारतीय वनडे टीम में वापसी की। इस आईपीएल सत्र से पंजाब किंग्स की कप्तानी करने जा रहे श्रेयस ने कहा, 'मैने अपनी प्रक्रिया सरल रखी। ज्यादा सोचा नहीं और ईमानदारी से काम करता रहा। मुझे भरोसा था कि मेरी ईमानदारी और प्रदर्शन फिर मुझे मौका दिलाएगा। उन्होंने कहा, 'इस दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैने अपने कौशल पर और मेहनत की। मैं नतीजे से खुश हूं क्योंकि इसके पीछे काफी मेहनत की गई है। कोच प्रवीण आम्रे सर से लेकर ट्रेनर सागर तक सभी ने मेहनत की। इन दोनों ने मुझे वह ताकत पैदा करने में मदद की जो अब मेरी बल्लेबाजी में दिखती है।

आईपीएल 2025:

क्रिस गेल के छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने से कितना दूर हैं रोहित शर्मा? आईपीएल में हो सकता है कारनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में विराट कोहली तीसरे नंबर पर हैं. कोहली ने 272 छक्के लगाए हैं. वहीं रोहित फिलहाल दूसरे नंबर पर हैं. रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के दमदार खिलाड़ी हैं. वे टूर्नामेंट में मुंबई को अपनी कप्तानी में खिताब भी दिलवा चुके हैं. रोहित विस्फोटक बैटिंग के लिए भी मशहूर हैं. रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के दमदार खिलाड़ी हैं. वे टूर्नामेंट में मुंबई को अपनी कप्तानी में खिताब भी दिलवा चुके हैं. रोहित विस्फोटक बैटिंग के लिए भी मशहूर हैं. रोहित आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 257 मैचों में 280 छक्के लगाए हैं. लेकिन रोहित अब नंबर वन भी बन सकते हैं. रोहित आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 257 मैचों में 280 छक्के लगाए हैं. लेकिन रोहित अब नंबर वन भी बन सकते हैं.

आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल टॉप पर हैं. गेल ने 142 मैचों में 357 छक्के लगाए हैं. रोहित फिलहाल गेल के इस रिकॉर्ड से दूर हैं. रोहित को क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 77 छक्के लगाने होंगे. आईपीएल के पिछले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ने सबसे ज्यादा छक्के लगाए थे. उन्होंने 42 छक्के जड़े थे. रोहित ने पिछले सीजन में 14 मैच खेले थे. इस दौरान 23 छक्के लगाए थे. रोहित ने इस सीजन में कुल 417 रन बनाए थे. रोहित ने पिछले सीजन में 14 मैच खेले थे. इस दौरान 23 छक्के लगाए थे. रोहित ने इस सीजन में कुल 417 रन बनाए थे.

टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ी बताया अब तक क्यों नहीं जीत पाई यह टीम

RCB के ड्रेसिंग रूम में नहीं है भाईचारा

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन से खेल रही हैं। 17 सीजन के बीतने के बाद भी यह टीम खाली हाथ है। उन्होंने अब तक एक बार भी आईपीएल की ट्रॉफी नहीं उठाई है।

राहुल द्रविड़, विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस जैसे खिलाड़ी इस टीम के कप्तान रहे, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स इस टीम के लिए खेले लेकिन कभी चैंपियन नहीं बना पाए। इसी टीम का हिस्सा रहे भारतीय खिलाड़ी ने टीम की नकामी का कारण ड्रेसिंग रूम में भाईचारे की कमी को बताया। लेफ्ट आर्म स्पिनर शादाब जकाती करियर की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे। वह 2010

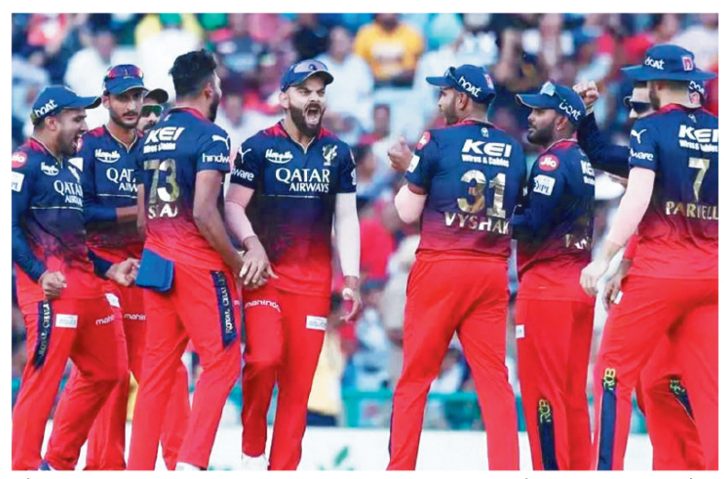

और 2011 में खिताब जीतने वाली टीम में शामिल थे। साल 2014 में आरसीबी में शामिल हुए और केवल एक ही मैच खेले। इस सीजन में उन्होंने टीम को लेकर कई बातें समझीं जिसके बारे में उन्होंने बताया। स्पोर्ट्सकीड़ा ने शादाब के हवाले से लिखा, 'यह एक टीम गेम है। अगर आप ट्रॉफी जीतना चाहते हैं, तो टीम को एक इकाई की तरह खेलना होगा।

2-3 खिलाड़ी आपको ट्रॉफी जीतने में मदद नहीं कर सकते। चेन्नई के पास भारतीय खिलाड़ियों का एक मजबूत समूह और कुछ अच्छे विदेशी खिलाड़ी थे। अपना संयोजन बनाना महत्वपूर्ण है। जब मैं आरसीबी में था, तो वे केवल 2-3 खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित करते थे।' जकाती ने ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में भी बात की और कहा कि टीम एक इकाई के रूप में अच्छी तरह से तालमेल नहीं बिठा पाई। जकाती ने कहा, जहां तक ??टीम मैनेजमेंट और ड्रेसिंग रूम के माहौल का सवाल है, तो इसमें बहुत अंतर था।

खिलाड़ी बहुत अच्छे थे, लेकिन कोई भाईचारा नहीं था, खिलाड़ी ठीक से तालमेल नहीं बिठा पाए। जकाती ने खिलाड़ियों की अच्छी देखभाल करने के लिए सीएसके मैनेजमेंट की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, टीम प्रबंधन की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। चेन्नई का मैनेजमेंट वास्तव में बहुत अच्छा था। उन्होंने अपने खिलाड़ियों का अच्छे से ख्याल रखा। ये छोटी-छोटी चीजें हैं जो बड़ा अंतर पैदा करती हैं। इसलिए, ये वो अंतर हैं जो मैंने सीएसके और आरसीबी में महसूस किए।

जोकोविच, अल्काराज मियामी ड्रॉ के एक ही हाफ में

मियामी, एजेंसी। छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच और 2022 के खिताब विजेता कार्लोस अल्काराज 19 मार्च से शुरू हो रहे मियामी ओपन के मुख्य ड्रॉ के एक ही हाफ में उतरे हैं। जोकोविच 2019 के बाद पहली बार मियामी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी कर रहे हैं। 2011 से 2016 तक, सर्बियाई स्टार ने छह संस्करणों में से पांच जीते। वह मियामी में अपनी वापसी की शुरुआत अपने हमवतन हमाद मेदजेडोविच, 2023 एटीपी फाइनल्स चैंपियन या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा के खिलाफ करेंगे।

रिकॉर्ड 40 बार मास्टर्स 1000 जीतने वाले इस खिलाड़ी का क्वार्टर फाइनल में दानिल मेदवेदेव के रूप में एक और पूर्व नंबर 1 से सामना हो सकता है। 2023 मियामी चैंपियन मेदवेदेव अपने शुरुआती मैच में जैम मुनार या आर्थर रिंडरकनेच से भिड़ेंगे। जोकोविच लगातार तीन मैच हारने के बाद वापसी करने की कोशिश करेंगे, जिसमें इंडियन वेल्स में बोटिक वैन डे जैन्डसचुल्प के खिलाफ शुरुआती हार भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, 37 वर्षीय खिलाड़ी का मियामी में 44-7 का रिकॉर्ड है। दूसरे वरीय अल्काराज, जो एटीपी

विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार टूर्नामेंट में 13-3 हैं, अपने इवेंट की शुरुआत डेविड गोफिन या एलेक्जेंडर वुकिक के खिलाफ करेंगे। तीसरे दौर में उनका सामना 31वें वरीय ब्रैंडन नकाशिमा से हो सकता है और स्पैनियार्ड के क्वार्टर में अन्य वरीय खिलाड़ियों में पांचवें वरीय कैस्पर रूड, ग्रिगोर दिमित्रोव और 12वें वरीय टॉमी पॉल शामिल हैं।

इंडियन वेल्स की तरह, एलेक्जेंडर ज्वेरेव शीर्ष वरीय हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से जर्मन खिलाड़ी ने लगातार दो से ज्यादा मैच नहीं जीते हैं और मियामी में वापसी करने की कोशिश करेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

ज्वेरेव अपने टूर्नामेंट की शुरुआत फ्रेंचमैन बेंजामिन बोंजी या क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। 27 वर्षीय खिलाड़ी तीसरे दौर में खतरनाक 28वीं वरीयता प्राप्त जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड से खेल सकते हैं, जबकि 16वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो और 17वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स संभावित चौथे दौर के प्रतिद्वंद्वी हैं। जैक ड्रेपर, जिन्होंने अपनी पहली मास्टर्स 1000 जीत हासिल की है, छठे वरीयता प्राप्त हैं।

ब्रिटेन का यह खिलाड़ी ज्वेरेव के क्वार्टर में है और दूसरे दौर में पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत या नेक्स्टजेनएटीपी चेक जैकब मेन्सिक का सामना करेगा। तीसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ड्रॉ के दूसरे क्वार्टर में आगे हैं और दूसरे दौर में मारियानो नवोन या लोरेंजो सोनेगो से खेलेंगे। 27वें वरीय डेनिस शापोवालोव, जिन्होंने पिछले महीने डलास में फ्रिट्ज को हराया था, अमेरिकी खिलाड़ी के लिए तीसरे दौर के संभावित प्रतिद्वंद्वी हैं।

स्वीस ओपन:

सिंधू का सामना मालविका से, पुरुष एकल में लक्ष्य देंगे प्रणय को चुनौती, फॉर्म हासिल करने पर नजरें

बासेल, एजेंसी। सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में पहले ही दौर में हार गई थीं। वह हालांकि, 2022 में स्विस ओपन में खिताब जीत चुकी हैं। सिंधू पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है और उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी।

स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 2,50,000 डॉलर इनामी राशि के स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में खोया फॉर्म हासिल करने की कोशिश करेंगे। सिंधू का सामना भारत की दूसरे नंबर की मालविका बंसोड़ से होगा। वहीं, लक्ष्य भी भारत के ही एच एस प्रणय से खेलेंगे जो यहां 2016 में खिताब जीत चुके हैं।

ऑल इंग्लैंड में खराब रहा था प्रदर्शन: सिंधू ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में पहले ही दौर में हार गई थीं। वह हालांकि, 2022 में स्विस ओपन में खिताब जीत चुकी हैं। सिंधू पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है और उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर टिकी होंगी। मालविका ने हालांकि सिंगापुर की यिओ जिया मिन को हराया था। लक्ष्य ऑल इंग्लैंड के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जबकि प्रणय

पहले दौर में बाहर हो गए थे। स्विस ओपन में भारतीयों का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। सिंधू, किदांबी श्रीकांत, प्रणय, समीर वर्मा, साइना और पुरुष युगल में सात्विक-चिराग खिताब जीत चुके हैं।

ओलंपिक के बाद पहली बार भिड़ेंगे लक्ष्य-प्रणय

लक्ष्य और प्रणय की पेरिस ओलंपिक के बाद एक-दूसरे से पहली भिड़ंत होगी। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे किरण जॉर्ज का सामना डेनमार्क के रास्मस गेमके से होगा, जबकि प्रियांशु राजावत स्विट्जरलैंड के कुऐंजी से खेलेंगे।

महिला खिताब हटाने पर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने स्पष्ट किया रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज खिलाड़ी हंगरी की जूडिथ पोल्गर आवाज उठा रही हैं कि महिला शतरंज के खिताबों को खत्म कर देना चाहिए। उनका समर्थन भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने भी किया। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने साफ कर दिया है कि उसका महिलाओं के खिताब (महिला ग्रैंडमास्टर आदि) हटाने का कोई इरादा नहीं है। फिडे के सीईओ एमिल सुतोवस्की का कहना है कि ऐसा करना महिलाओं से उनके अधिकार छीनना और महिला प्रतिभाओं के साथ अन्याय होगा। सुतोवस्की ने कहा, पिछले वर्षों में शीर्ष पर मौजूद महिला शतरंज खिलाड़ियों की रेटिंग में काफी गिरावट आई है, इसलिए उन्हें महिलाओं की इवेंट की जरूरत है, जिसमें खेल कर वह अपने में सुधार कर सकें। महिला शतरंज

में पुरस्कार राशि बढ़ाए जाने के बावजूद महिला शतरंज लगभग 15 वर्ष पीछे है। पहले हमें 15 से 17 वर्ष की आयु में 2500 की रेटिंग वाली महिला खिलाड़ी मिल जाती थीं, लेकिन आज हमारे पास 17 से 18 वर्ष की आयु में 2400 की रेटिंग वाली दो खिलाड़ी मौजूद हैं।

ऐसे तो महिला शतरंज खत्म हो जाएगा

ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से का कहना है कि महिलाओं के खिताब हटाने से महिला शतरंज खत्म हो जाएगी।

जूडिथ पुरुषों के साथ खेलती थीं। लेकिन उनकी बहन सुसान ने महिलाओं के साथ खेलना नहीं छोड़ा। वैशाली को जितने भी पुरस्कार मिले हैं, उनमें महिला शतरंज के खिताबों का योगदान है।

पोल्गर की मांग का वैशाली ने किया समर्थन

दिग्गज खिलाड़ी हंगरी की जूडिथ पोल्गर आवाज उठा रही हैं कि महिला शतरंज के खिताबों को खत्म कर देना चाहिए। उनका समर्थन भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने भी किया। उन्होंने कहा, महिला खिताब हटाने से महिलाओं को ग्रैंडमास्टर हासिल करने की ज्यादा प्रेरणा मिलेगी।

भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता

आईटीबीपी के घुड़सवार राकेश कुमार अव्वल

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के घुड़सवारों ने भाग लिया और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न इवेंट्स में विजेताओं को पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। 43वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता और घुड़सवार पुलिस ड्यूटी मीट-2025 में आईटीबीपी भानू में सोमवार को जांबाज घुड़सवारों ने दम दिखाया। इसमें पुलिस हॉर्स प्रतियोगिता में आईटीबीपी के अश्व अंबर के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, दूसरा स्थान दिल्ली पुलिस के अश्व तिलक के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल संदीप खटाना और तीसरा स्थान बीएसएफ के अश्व जसन के साथ घुड़सवार हेड कांस्टेबल ध्रुव सिंह को मिला। मेडल रिले प्रतियोगिता में सशस्त्र सीमा बल की टीम-बी के अश्व अप्पू के साथ घुड़सवार सुरेंद्र सिंह, अश्व रेवा के साथ घुड़सवार अमन पाठक और अश्व चैंपियन के साथ घुड़सवार यशपाल की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया।

हाइपरसोनिक मिसाइलों की बारिश से थर्राया इजरायल, हूती विद्रोहियों और हमास ने एक साथ मिलकर बोला हमला

तेलअवीव। अमेरिकी हवाई हमले के बाद भी ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों के हौसेल पस्तन नहीं हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने गाजा के हमास के साथ मिलकर एक साथ हमला बोला है। हूतियों ने अपनी सेना को निर्देश दिया है कि वह मध्यं इजरायल को निशाना बनाए। लेबनान के हिज्बु ल्ला ह के समाचार पत्र अल अखबार ने बुधवार को इसका खुलासा किया। इसके बाद हूती विद्रोहियों और इस्ला मिक जिहाद ने हमास के साथ मिलकर अपने हमले तेज कर दिए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में ये हमले और तेज होंगे। इस बीच हूतियों ने दावा किया है कि उसने इजरायल पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया है।

इससे पहले हूतियों ने दावा किया था कि अमेरिका ने कम से कम 10 हमले यमन में किए हैं। अमेरिका ने धमकी दी है कि अगर लाल सागर में हमले किए गए तो वह फिर से यमन पर हमले करेगा। हूती प्रवक्तां ने कहा है कि लाल सागर में बड़ी सैन्ये तैयारी चल रही है। हूती प्रवक्तो ने दावा किया कि उसने अमेरिका के एयरक्राफ्ट कैरियर हैरी एस ट्रूमैन और अन्ये युद्धपोतों को मिसाइल तथा ड्रोन हमले से नुकसान पहुंचाया है। हूतियों ने कहा कि उन्हों्ने मंगलवार को दो हाइपरसोनिक मिसाइलों से इजरायल पर दक्षिणी इलाके में हमला बोला।

इजरायल ने ऐरो सिस्टसम से दिया जवाब:-

इजरायल की सेना ने माना है कि हूतियों ने मिसाइल से हमला किया था जिसे एरो मिसाइल डिफेंस से हवा में ही नष्टय कर दिया गया। उसने कहा कि चेतावनी के सायरन प्रोटोकॉल के तहत बजाए गए थे। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारी ने इस हमले की जिम्मेतदारी ली है और कहा कि उसके ग्रुप ने फलस्तीनि 2 हाइपरसोनिक मिसाइल से इजरायल पर हमला किया था। उसने चेतावनी दी कि अगर इजरायल ने हमलों को नहीं रोका तो आने वाले दिनों में और ज्यापदा हमले इजरायल पर किए जाएंगे।

इससे पहले यमन के हूती विद्रोहियों ने कहा कि ने उन्होंने पिछले 48 घंटों में तीसरी बार उत्तरी लाल सागर में एक अमेरिकी विमानवाहक पोत को निशाना बनाया। ग्रुप ने यह दावा ऐसे समय में किया जब अमेरिकी सेना उसके खिलाफ हवाई हमले कर रही है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने अल-मसीरा टीवी पर प्रसारित एक बयान में कहा, "हमने उत्तरी लाल सागर में यूएसएस हैरी ट्रूमैन विमानवाहक पोत को दो क्रूज मिसाइलों और दो ड्रोन से निशाना बनाया।" अल-मसीरा टीवी का संचालन हूती ग्रुप करता है। सरिया ने यह भी कहा कि उनके ग्रुप ने लाल सागर में 'एक अमेरिकी विध्वंसक जहाज पर एक क्रूज मिसाइल और चार ड्रोन दागकर" एक और हमला किया।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, प्रवक्ता ने हूती ठिकानों पर जारी अमेरिकी हवाई हमलों का जिक्र करते हुए कहा, "हम लाल सागर और अरब सागर में सभी शत्रुतापूर्ण ठिकानों को तब तक निशाना बनाना बंद नहीं करेंगे, जब तक कि हमारे देश के खिलाफ हमले बंद नहीं हो जाते।"

अमेरिका ने यमन पर बरपाया कहर:-

अल-मसीरा टीवी के अनुसार, सोमवार को अमेरिकी सेना ने सना और लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेदाह के आसपास के ठिकानों पर हवाई हमले किए।

पिछले दो दिनों में, सना और हूती नियंत्रण वाले कई अन्य उत्तरी और पश्चिमी प्रांतों में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने दर्जनों सैन्य स्थलों और आवासीय घरों को निशाना बनाया और बमबारी की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतंरराष्ट्रीय शिपिंग लाइनों और जहाजों पर हूती विद्रोहियों के हमले बंद होने तक कार्रवाई जारी रखने की कसम खाई है।

नवंबर 2023 से, हूती ग्रुप ने गाजा में इजरायली हमलों के विरोध में और फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लाल सागर में इजरायल से जुड़े जहाजों और इजरायली शहरों पर दर्जनों ड्रोन और रॉकेट हमले किए। बाद में यूएस और ब्रिटिश जहाजों निशाना बनाया जाने लगा। इस बीच यूएस-ब्रिटिश नौसेना गठबंधन ने हूती ग्रुप को रोकने के लिए हवाई हमले और मिसाइल हमले किए।

डबल इंजन की सरकार के स्वास्थ्य इंजन कमजोर और पटरी से उतरे हुए हैं - कीर्ति पाठक

अजमेर(रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी राजस्थान द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाये जा रहे " अस्पताल विजिट कैंपेन" के अंतर्गत आज अजमेर संभाग के सब से बड़े अस्पताल जवाहरलाल नेहरू अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में विभिन्न काउंटर्स यथा रजिस्ट्रेशन काउंटर , दवाई काउंटर , वरिष्ठ नागरिक रजिस्ट्रेशन काउंटर , ओपीडी के बाहर लोगों की लंबी लाइन देखी गई जिस के कारण लोगों में आक्रोश था।

मौजूद आम जन से बात करने पर उन के द्वारा अस्पताल प्रशासन द्वारा उन की परेशानियों से आंखें मूँद कर रखने का आरोप लगाया गया।

कई लोगों ने कहा कि लंबी लाइन में खड़े होने के पश्चात जब नंबर आता है तो मुफ्त दवा योजना के अंतर्गत मिलने वाली कई दवाइयां अनुपलब्ध होती है और उन्हें खुले बाज़ार से ख़रीदने के अलावा कोई और चारा नहीं होता है।

अस्पताल प्रशासन से बात करने पर उन्होंने व्यवस्थाओं के लगातार दुरुस्त होने की बात कही।

अस्पताल प्रशासन द्वारा दो माह के समय में लंबी लाइनों से छुटकारा पाने का दावा किया गया।

आप राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष कीर्ति पाठक ने सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं पर प्रहार करते हुए कहा कि संभाग का सब से बड़ा अस्पताल स्वयं बीमार है।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में रोजाना करीब पाँच से छह हज़ार ओपीडी में मरीज़ आते हैं और तक़रीबन साढ़े तीन सौ मरीज़ भर्ती किए जाते हैं (ऑफिसियल डेटा) पर जिन्हें बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर शून्य सुविधाएं मिल रही हैं।

गर्मियां शुरू हो चुकी हैं पर वार्डों में पंखे खराब पड़े हैं और ए सी की सर्विसिंग अभी तक नहीं हुई है।

सरकार की स्वास्थ्य योजना में मुफ्त का जो ढोल पीटा जाता है उस की धरातल की सच्चाई कुछ और ही है , आम व्यक्ति अक्सर उन के लाभ से वंचित रह जाता है।

लंबी लाइन का दंश भोगती आम जनता बीमारी में और बीमार हो जाती है।

परिजनों को अपनी एक दिन की दिहाड़ी छोड़ कर इलाज करवाना पड़ता है।

किसी नेता अथवा जानकार की सहायता के बिना आम आदमी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिलता।

झुग्गी झोंपड़ी और गाँव में रहना वाला आम नागरिक सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित रहता है।

अस्पताल में स्वीकृत विभिन्न पदों के रिक्त पड़े रहने से अस्पताल व्यवस्थाएं चरमराई रहती हैं।

जिला उपाध्यक्ष डॉ हिमनंदिनी चौहान ने बताया कि सफाई कर्मी की कमी के कारण सारे वार्ड में गंदगी का आलम छाया रहता है।

मरीजों के परिजन स्वयं स्ट्रेचर खींच कर मरीजों को इधर से उधर ले कर जाते हैं।

वी आई पी कल्चर के चलते आम जनता अपने आप को ठगा हुआ सा महसूस करती है।

आज निरीक्षण के दौरान अजमेर जिला के विभिन्न पदाधिकारी हेमंत गहरवार, आफ़ाक अली ख़ान, राजवीर सिंह, ऋषिदत्त शर्मा, एडवोकेट पूनम मेहरा, संदीप शर्मा, वरुण तंवर, सुधीर बस्सी, राजीव मल्होत्रा व मुन्नालाल चौधरी आदि उपस्थित रहे

नगर निगम ने नगरीय विकास कर जमा नहीं कराने पर की कुर्की कार्रवाई

जयपुर। हेरिटेज निगम ने नगरीय विकास कर जमा नहीं कराने पर की कुर्की कार्रवाई

निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर हवामहल आमेर जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी के नेतृत्व में की गई कार्रवाई

कुल पांच संपतियों पर की गई कार्रवाई:-

मौके पर एक संपत्ति मालिक ने जमा कराया विकास कर, शेष चार संपतिया की गई सीज

सुल्तान सिंह गणगौरी बाजार, द स्टैग आमेर मावठ, माय एलिफेंट ट्रिप, पीली की तलाई, डॉ मुनव्वर चौधरी, गंगापोल और इंपीरियल पैलेस पर की गई कार्रवाई

41 लाख रुपए से अधिक विकास कर का किया गया संग्रहण

राजस्व अधिकारी पार्वती सोनी और अन्य निगम अधिकारी रहे मौजू

ईओ एवं आरओ भर्ती पुन: परीक्षा 2022,23 मार्च को, परीक्षा प्रारंभ होने से 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश

नागौर,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित राजस्व अधिकारी ग्रेड-2 एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-IV पुनः परीक्षा, 2022 एक पारी में 23 मार्च को दोपहर 12 बजे से 02 बजे तक जिला मुख्यालय पर 17 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। जिसमें 6089 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा दी जाएगी। उक्त विषयक परीक्षा हेतु जिला मुख्यालय पर कलक्ट्रेट सभागार में परीक्षा की तैयारियों के संबंध में जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित,परीक्षा समन्वयक एंव पदेन अतिरिक्त जिला कलक्टर, नागौर व जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), नागौर की उपस्थिति में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान परीक्षा से संबंधित उपसमन्वयक, पर्यवेक्षक, कन्द्राधीक्षक, सहायक केन्द्राधीक्षक सहित अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित हुए।

प्रशिक्षण के दौरान जिला कलक्टर पुरोहित द्वारा समस्त केन्द्राधीक्षकों को परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन करवाने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश प्रदान किए। पुलिस विभाग को डिबार केन्डिडेंटों की ट्रेसिंग करने एवं पुलिस विभाग से संबंधित समस्त कार्यवाही समय पर एवं गंभीरता से सम्पादित किए जाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम 2022 के नियमों की जानकारी प्रदान करते हुए किसी भी तरह की नकल में शामिल होने/गतिविधियों में भाग लेने पर कार्यवाही किए जाने के निर्देश प्रदान किए। परीक्षार्थियों की गहन सुरक्षा जाँच (Frisking) की जाएगी। महिला परीक्षार्थी लाख कांच की पतली चूड़ियों के अलावा अन्य कोई जेवरात पहनकर नहीं आयेगी। परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र में किसी भी प्रकार की घड़ी, मौजे, चश्मा, बैल्ट, हेण्ड बैग, हेयर पिन, गण्डा/ ताबीज, कप/हैट, स्कार्फ, स्टॉल शॉल, मफलर पहकर शामिल नहीं होंगे। पुरुष अभ्यर्थी आधी आस्तीन के शर्ट / टी-शर्ट / कुर्ता, पेंट/पायजामा एवं हवाई चप्पल / स्लीपर पहनकर आएंगे, महिला अभ्यर्थी सलवार सूट या साड़ी, आधी आस्तीन का कुर्ता/ ब्लाउज, हवाई चप्पल, स्लीपर पहनकर एवं बालों में साधारण रबर बैण्ड लगाकर आयेगी। इससे सुरक्षा जांच में सहयोग मिलेगा।

सिख धर्म के अभ्यर्थियों को कड़ा, कृपाण एवं पगड़ी आदि धार्मिक प्रतीक धारण कर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्रदान की जायें। परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश से पूर्व भौतिक रूप से एवं Hand Held Metal Detector (HHMD) डिवाइस से गहन सुरक्षा जाँच (Frisking) की जाएगी। यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा के समय मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र व प्रवेश पत्र लेकर नहीं आता है तो उसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। इस परीक्षा में 6 परीक्षा केन्द्रों पर 1 फ्लाईंग टीम का गठन किया जाएगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर 1 घंटा पूर्व पहुंचना अनिवार्य होगा। प्रातः 11 बजे सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों का प्रवेश बंद कर दिया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं परीक्षा समन्वयक चम्पालाल जीनगर द्वारा विद्त विभाग के अधिकारियों को विद्त व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देश प्रदान किए तथा परीक्षा में नियोजित किए गए उपसमन्वयक एवं पर्यवेक्षकों को आयोग की मार्गदर्शिका के अनुसार कार्यवाही गंभीरता से संपादित करने के निर्देश प्रदान किए साथ ही अवगत करवाया कि परीक्षार्थियों को अनुत्तरित प्रश्नों के लिए आंसर शीट में प्रदत्त 5वां गोला भरना अनिवार्य होगा अन्यथा अनुतरित प्रश्नों के लिए आयोग द्वारा किए प्रावधान के अनुसार कार्यवाही की जाएगी जिस हेतु परीक्षार्थियों को 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। एवजी / नकली परीक्षार्थियों की रोकथाम के लिए प्रत्येक परीक्षार्थी की विडियोग्राफी की जाएगी। परीक्षार्थियों को उनकी हेंडराइटिंग से एक पैरा लिखना होगा जिसका प्रयोजन नकली अभ्यर्थी की पहचान उनकी हेंडराइटिंग से की जा सकेगी।

उक्त परीक्षा हेतु जिला मुख्यालय पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जिसके दूरभाष संख्या 01582-240830 है

पहचान पोर्टल पर जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित समस्त सेवाएं "20 व 21" मार्च को पूर्णतया बंद

नागौर (रॉयल पत्रिका)। जिला रजिस्ट्रार जन्म मृत्यु एवं उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी रामकुमार राव ने बताया कि आमजन की सुविधा के लिए राज्य में जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन का कार्य ऑनलाईन वेबपोर्टल 'पहचान' के माध्यम से सरलता व सुगमता से सम्पादित किया जा रहा है एवं कम्प्यूट्रीकृत और ई-साईन युक्त जन्म, मृत्यु एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी किये जा रहे है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में 'पहचान' पोर्टल पर जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित लगभग 3.50 करोड़ डाटा संग्रहीत हो चुका है और भविष्य में यह डाटा ओर अधिक बढ़ेगा। इस स्थिति के मध्यनजर पहचान पोर्टल को भामाशाह स्टेट डाटा सेंटर (BSDC) पर माइग्रेशन किया जा रहा है ताकि पंजीयन का कार्य सुचारू रूप से सम्पादित होता रहे। उक्त कार्य की क्रियान्विति हेतु दिनांक 20 व 21 मार्च, 2025 (दो दिवस) को पहचान पोर्टल से जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन से संबंधित समस्त कार्य बंद रहेंगे एवं प्रमाण पत्र जारी नहीं किये जा सकेंगे

भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति अच्छी, यात्रियों को दे रहे पहले से अधिक सब्सिडी - रेल मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में रेल मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा के दौरान भारतीय रेल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल यात्रियों को किफायती किराए पर सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थान हासिल कर रही है। जहां हमारे देश में रेलवे का किराया आस-पास के देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के रेल किराए से भी कम है तो वहीं पश्चिमी देशों में रेल किराया तो भारत की अपेक्षा 10-20 गुना अधिक है।

रेल यात्रियों दी जा रही सब्सिडी पर रेल मंत्री ने कहा कि अभी ट्रेन से प्रति किलोमीटर यात्रा की लागत ₹1.38 है, लेकिन यात्रियों से केवल 73 पैसे लिए जाते हैं, यानी 47% सब्सिडी दी जाती है। वित्त वर्ष 2022-23 में यात्रियों को ₹57,000 करोड़ की सब्सिडी दी गई, जो 2023-24 (प्रोविजनल फिगर) में बढ़कर करीब ₹60,000 करोड़ हो गई। हमारा लक्ष्य न्यूनतम किराए पर सुरक्षित और बेहतर सेवाएं देना है।

रेल विद्तीकरण के फायदों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि यात्रियों और कार्गो की बढ़ती संख्या के बावजूद ऊर्जा खर्च स्थिर है। भारतीय रेल 2025 में 'Scope 1 नेट जीरो' और 2030 तक 'Scope 2 नेट जीरो' हासिल करेगी। रेल मंत्री ने बताया कि बिहार के मढौरा कारखाने में बने लोकोमोटिव का निर्यात जल्द शुरू होगा। भारतीय रेल के पैसेंजर कोच मोज़ाम्बिक, बांग्लादेश और श्रीलंका को निर्यात किए जा रहे हैं, साथ ही लोकोमोटिव भी मोज़ाम्बिक, सेनेगल, श्रीलंका, म्यांमार और बांग्लादेश को निर्यात हो रहे हैं। बोगी के अंडर-फ्रेम यूनाइटेड किंगडम, सऊदी अरब, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया को और प्रपल्शन पार्ट्स फ्रांस, मैक्सिको, जर्मनी, स्पेन, रोमानिया और इटली को निर्यात किए जा रहे हैं।

इस साल भारत में 1,400 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ, जो अमेरिका और यूरोप के संयुक्त उत्पादन से अधिक है। साथ ही, 2 लाख नए वैगन बेड़े में जोड़े गए हैं। रेल मंत्री ने बताया कि 31 मार्च को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में भारतीय रेल 1.6 बिलियन टन कार्गो ढोकर दुनिया के टॉप 3 देशों में शामिल होगा, जिसमें चीन, अमेरिका और भारत होंगे। यह रेलवे की बढ़ती क्षमता और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

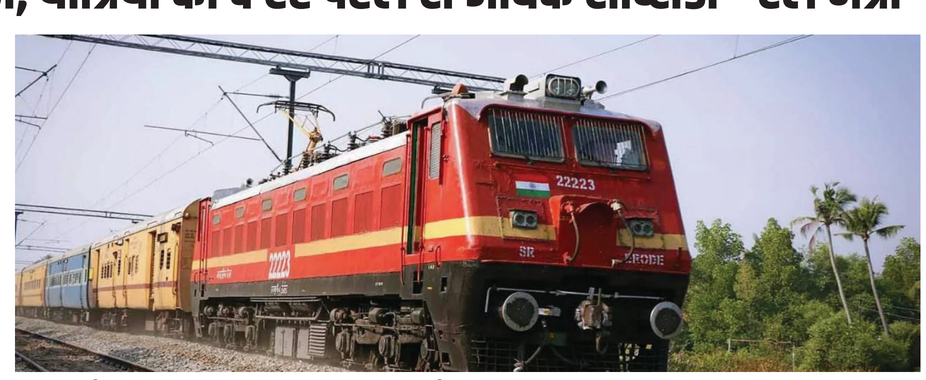

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में ऐलान किया कि रेल सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए, 41,000 LHB कोच तैयार किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सभी ICF कोच को LHB में बदला जाएगा। लंबी रेल, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, फॉग सेफ्टी डिवाइस और 'कवच' सिस्टम तेजी से लागू किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए वैष्णव ने कहा कि पहले रेलवे को ₹25,000 करोड़ का समर्थन मिलता था, जो अब बढ़कर ₹2.5 लाख करोड़ से अधिक हो गया है। इससे बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है। वहीं 50 नमो भारत ट्रेनों का निर्माण किया जा रहा है, जो कम दूरी की यात्रा के लिए AC और नॉन-AC विकल्पों के साथ है।

हाल ही में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे लेकर रेल मंत्री ने सदन को बताया कि इस दुखद हादसे की जांच हाई-लेवल कमेटी कर रही है। CCTV फुटेज समेत सभी डेटा सुरक्षित रखा गया है, करीब 300 लोगों से बातचीत कर फैक्ट्स की जांच हो रही है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए 10 महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि हमारा कमिटमेंट गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए है। यही वजह है कि जनरल कोचों की संख्या एसी कोचों की तुलना में ढ़ाई गुना अधिक बढ़ाई जा रही है। वर्तमान प्रोडक्शन प्लान के अनुसार 17 हजार नॉन-एसी कोचों के मैन्युफैक्चरिंग का प्रोग्राम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति अच्छी है और इसमें लगातार सुधार के प्रयास जारी हैं। रेलवे ने कोविड महामारी से जुड़ी चुनौतियों पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया है। यात्रियों की संख्या बढ़ रही है और माल ढुलाई में वृद्धि देखी जा रही है। अब रेलवे का राजस्व करीब 2 लाख 78 हजार करोड़ रुपये है और 2 लाख 75 हजार करोड़ के खर्चे हैं। भारतीय रेल सभी बड़े खर्चे खुद के इनकम से कर रही है, जो कि रेलवे के बेहतर प्रदर्शन से संभव हुआ है

राज्यसभा में दिए गए अपने बयान में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भरोसा दिलाया कि रेलवे भविष्य में और अधिक आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणाली के रूप में उभरेगा।

राज्यपाल ने हनुमानगढ़ में ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

-हर बच्चे को शिक्षा मिले, जल जीवन मिशन का हो प्रभावी क्रियान्वयन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को हनुमानगढ़ में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत प्रभावी कार्य कर हर घर शुद्ध जल सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा सभी के लिए जरूरी है। गांव, ढाणी में शिक्षा का प्रभावी प्रसार हमारी प्राथमिकता बने। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का समयबद्ध प्रभावी क्रियान्वयन करने के भी निर्देश दिए।

राज्यपाल ने शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। जिले में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु प्रत्येक महीने मॉनिटरिंग करने तथा समीक्षा करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, महात्मा गांधी नरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राजीविका, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सॉइल हेल्थ कार्ड, किसान सम्मान निधि सहित जल जीवन मिशन एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया। उन्होंने औद्योगिक विकास और किसान हितैषी योजनाओं पर भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने जिले में औद्योगिक विकास को गति देने और अधिक रोजगार अवसर सृजित करने की बात कही। पीएम सूर्यघर और पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही, जल संरक्षण और ग्रामीण सड़कों के विकास पर भी जोर दिया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,